आश्विन, पक्ष - कृष्ण, तिथि - तृतीया, संवत 2082 पृष्ठ : 8+2 जयपुर, 24 सितम्बर - 30 सितम्बर, 2025 बुधवार वर्ष-11, अंक-30, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

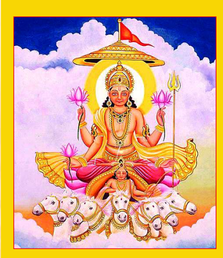

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

jagrukjanta.net

"सर्व मंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके। शरण्ये त्र्यंबके गौरी नारायणि नमोऽस्तुते।"

"ॐ जयंती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी। दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वधा नमोऽस्तुते।।"

शारदीय नवरात्र की हार्दिक शुभकामनाएँ

क्यों लगाई दुर्घटना को आमंत्रण देती वाहनों में ये दूधिया हैडलाइट!

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

पिछले कुछ दिनों से रोड पर वाहन चलाना मौत से खेलना जैसा हो गया है। जब से वाहनों में दूधिया लाइट (एलईडी) लगने लगी है। तभी से वाहनों की दुर्घटना में बढ़ोतरी हो गई है। पहले वाहनों में साधारण सी लाइट लगी होती थी जो रात को जलाई जाती थी और अगर रात के समय बिना लाइट जलाए वाहन सड़क पर उतार दिया जाता था और सामना यातायात पुलिस से हो जाए तो समझो चालान कटना तय था। वहीं दिन में अगर वाहन की लाइट जलती हुई मिल जाती थी तो भी चालान कटता था। कभी-कभी तो यातायात पुलिस अभियान चलाया करती थी जिसमें वाहनों को चाहे वे दुपहिया हो, तिपहिया हो या फिर चौपहिया हो, उनकी हैड लाइट के आधे भाग को काला पोत दिया जाता था। ऐसा इसलिए किया जाता था कि रात्रि के समय वाहन की लाइट को चौंधा सामने वाले वाहन चालक की आंखों पर ना पड़े। इससे वाहन चालक को कोई परेशानी नहीं होती थी और दुर्घटना की आशंका भी नहीं के बराबर होती थी। मगर अब पता नहीं क्यों और किसकी सलाह पर वाहनों में खतरनाक दूधिया लाइट लगा दी गई और पिछले कुछ सालों से तो वाहनों में ऐसी लाइट लगादी गई है जो दिन-रात जलती है। इन लाइटों के कारण सामने से आ रहे दूसरे वाहन चालक की आंखें चुंधिया जाती है और दुर्घटना हो जाती है। कई बार तो इन लाइटों की वजह से सिर में अचानक से तेज दर्द भी होने लगता है। इसे क्या कहा जाएगा। यातायात पुलिस ने वाहन बनाने वाली कंपनियों को इस लाइट की अनुमति क्यों दी ये बात समझ से परे है। इससे कोई फायदा नहीं, बल्कि ये लाइटें ईश्वर का दिया हुआ जीवन समाप्ति का कारण बन रही हैं। यातायात पुलिस व संबंधित अधिकारियों को चाहिए कि वह इस तरह की लाइटों को वाहनों से हटवाएं और वाहन निर्माता कंपनियों से संपर्क कर इस विषय में उन्हें ऐसी हैडलाइट नहीं लगाने के निर्देश दिए जाने चाहिए, ताकि आमलोगों के जीवन से हो रहे खिलवाड़ को रोका जा सके।

shivdayalmishra@gmail.com

मुख्यमंत्री ने भीलवाड़ा नगर निगम एवं हमीरगढ़ नगर पालिका में शहरी सेवा शिविरों का किया अवलोकन

एक ही छत के नीचे जरूरतमंदों को मिल रही सभी सुविधाएं, सेवाएं-शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आमजन को एक ही स्थान पर सरकारी सुविधाएं एवं सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए राज्य सरकार द्वारा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक पूरे प्रदेश में ग्रामीण और शहरी सेवा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इससे अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक को राहत मिल रही है। उन्होंने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से लोगों को केन्द्र एवं राज्य सरकार की सभी योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने आमजन से अपील की है कि वें इन शिविरों में शामिल होकर सभी योजनाओं का भरपूर लाभ उठाएं तथा आस-पास के जरूरतमंद लोगों को भी इन शिविरों से जुड़वाने में मददगार बनें। शर्मा भीलवाड़ा नगर निगम एवं नगर पालिका हमीरगढ़ में आयोजित शहरी सेवा शिविर के परिसर में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भीलवाड़ा की यह भूमि अपनी समृद्ध परंपरा के लिए प्रसिद्ध है। साथ ही, यहां के योद्धाओं और संत-महात्माओं की वीरगाथा हमें प्रेरणा देती है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने जन्मदिवस को सेवा पखवाड़ा के तौर पर मनाने का जो संदेश दिया है, वह केवल राजनीति का नहीं समाजसेवा का मार्ग है। भारत दुनिया के मानचित्र पर एक नई पहचान बना रहा है। देश आज जीडीपी ग्रोथ रेट, डिजिटल इकॉनोमी, स्टार्टअप इकोसिस्टम सहित सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। निवेश अनुकूल नीतियों के कारण विदेशी कंपनियां भी भारत में व्यापार एवं निवेश कर रही है।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज

ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

- मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
- सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
- असाध्य घाव/शुगर के घाव
- कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
- अचानक बहरापन (Hearing Loss)
- डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133

डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

प्रोपर्टी ऑक्सन हब

एस-11, द्वितीय तल, अपना बाजार, झोटवाड़ा, जयपुर

since 2010

सेल, परचेज, रेंट एवं सैटलमेंट

» ऑल इंडिया में प्रोपर्टी, सभी बैंकों से रिकवरी की गई प्रोपर्टी को उचित रेट में खरीदने व सैटलमेंट के लिए सम्पर्क करें।

» ऑल इंडिया प्रोपर्टी के डॉक्यूमेंट लीगल चैक करने के लिए सम्पर्क करें।

सुरेन्द्र सिंह
एडवोकेट

सी.पी. अग्रवाल
संस्थापक
मो.-8561088777

सत्यमेव जयते
Ministry of Ayush
Government of India

10वें आयुर्वेद दिवस (23 सितम्बर, 2025)
की
हार्दिक शुभकामनाएं

Ayurveda Day
आयुर्वेद दिवस

आयुर्वेद जन-जन के लिए , पृथ्वी के कल्याण के लिए

आओ हम सब आयुर्वेद अपनाएं, मानव जीवन से रोग भगाएं

"आयुर्वेद - प्रकृति की गोद में जीवन की संजीवनी"

संस्थान के NABH मान्यता प्राप्त चिकित्सालय तथा NABL लैब में निम्न सेवाएं आमजन को दी जा रही है।

- बहिरंग विभाग (OPD)
- अंतरंग विभाग (IPD)
- पंचकर्म चिकित्सा
- प्रयोगशालीय जाँच
- डिजिटल एक्स-रे

अधिक जानकारी एवं चिकित्सा परामर्श हेतु सम्पर्क करें :

म.शे. क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान

इन्दिरा कॉलोनी, झोटवाड़ा रोड, बनीपार्क, जयपुर (राजस्थान) - 302016

(अधीनस्थ केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)

फोन नं.- 0141-2281812, 2282618 ईमेल: acri.jaipur@gmail.com

जय धन्वन्तरि

जय आयुर्वेद

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित | जागरूक जनता www.jagrukjanta.net | बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 फोन : 0141-3587886 | सम्पर्क करें | विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए 9928022718 jagrukjantanews@gmail.com | समाचार प्रकाशित करवाने के लिए 9829329070 jagrukjantanews@gmail.com

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर व अन्य खबरें देखें
jagrukjanta.net

क्षेत्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर में 10वां आयुर्वेद दिवस, राष्ट्रीय पोषण-2025 एवं स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। आयुष मंत्रालय भारत सरकार एवं केंद्रीय आयुर्वेद विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के निर्देशन में महाराव शेखाजी क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, इंदिरा कॉलोनी, झोटवाड़ा रोड, बनीपार्क जयपुर में 10 वां राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस, राष्ट्रीय पोषण माह-2025 एवं स्वस्थ नारी- सशक्त परिवार अभियान मनाया जा रहा है। इन कार्यक्रमों के अन्तर्गत विभिन्न तरह की गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इस वर्ष आयुर्वेद दिवस की मुख्य थीम "आयुर्वेद जन-जन के लिए, पृथ्वी के कल्याण के लिए" है।

आयुर्वेद दिवस कार्यक्रम की शुरुआत 15 सितंबर को संस्थान परिसर में भगवान धन्वंतरि के समक्ष द्वीप प्रज्वयलन कर संस्थान प्रभारी डॉ. बनी राम मीणा, सहायक निदेशक आयुर्वेद ने की। 10वें आयुर्वेद दिवस के तहत परिषद की उपलब्धियों एवं जारी गतिविधियों की एक प्रदर्शनी संस्थान परिसर में लगाई गई जिसमें आमजन व रोगियों ने आयुर्वेद के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान विभिन्न तरह की सूचना, शिक्षा एवं संचार सामग्री का भी वितरण निशुल्क किया गया। आमजन के लिए प्रकृति परीक्षण शिविर भी लगाया गया। आमजन को विभिन्न तरह के औषधीय पौधों का निशुल्क वितरण भी किया गया। जन सामान्या को प्रतिदिन आयुर्वेद, कैंसर रोग रोकथाम, नारी स्वास्थ्य एवं आयुर्वेदिक आहार पोषण पर जागरूकता व्याख्यान दिए जा रहे हैं। संस्थान द्वारा ऑनलाइन माध्यम से "कैंसर रोग देखभाल में आयुर्वेद की भूमिका" विषय पर एक वेबीनार का भी आयोजन किया गया, जिसमें परिषद महानिदेशक प्रोफेसर (वैद्य) रविनारायण आचार्य एवं डॉ. एन श्रीकांत उपमहानिदेशक ने भी शिरकत की। इस वेबीनार में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान मानद विश्वविद्यालय जयपुर के प्रोफेसर सर्वेश कुमार अग्रवाल ने मुख्य वक्ता के रूप में अपना ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया।

आयुर्वेद दिवस के दौरान संस्थान द्वारा चलाये जा रहे आदिवासी स्वास्थ्य अनुसंधान कार्यक्रम एवं महिला एवं बाल स्वास्थय अनुसंधान कार्यक्रम के माध्यम से चित्तौड़गढ़ एवं श्रीगंगानगर जिले में भी निशुल्क स्वास्थ्य शिविर एवं जागरूकता व्याख्यान आयोजित किए जा रहे हैं। स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान के तहत महिलाओं को निःशुल्कव स्वास्थ्य सेवाएं एवं जागरूकता प्रदान करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का भी आयोजन किया जा रहा है। संस्थान में महिला मरीजों के लिए प्रतिदिन निशुल्क स्वास्थ्य। शिविर भी लगाए जा रहे हैं जहां निःशुल्क दवाएं वितरित की जा रही है साथ ही साथ महिला मरीजों का बीएमआई परीक्षण भी किया जा रहा है एवं महिलाओं के लिए रक्त शर्करा एवं हीमोग्लोबिन की निःशुल्क प्रयोगशाला जांच भी की जा रही है।

इस वर्ष 10 वां आयुर्वेद दिवस राष्ट्रीय पोषण माह-2025 एवं स्वस्थ नारी- सशक्त परिवार अभियान के समन्वरय से आयोजित किया जा रहा है। 10वें आयुर्वेद दिवस के नोडल अधिकारी डॉ. अविनाश कुमार जैन, अनुसंधान अधिकारी (आयु.), राष्ट्रीय पोषण माह- 2025 के नोडल अधिकारी डॉ. किशोर कुमार गवली, अनुसंधान अधिकारी (आयु.) एवं स्वस्थ नारी- सशक्त परिवार अभियान की नोडल अधिकारी डॉ. मोनिका कुमारी, अनुसंधान अधिकारी (आयु.) ने संस्थान प्रभारी डॉ. बी.आर. मीणा, सहायक निदेशक (आयु.) के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में इन कार्यक्रमों को आयोजित किया जा रहा हैं।

जागरूक खबरें

शारदीय नवरात्र पर हर घर देवी स्वरूपा माँ भवानी जगदम्बा के नवरात्र की स्थापना की गई

जयपुर @ जागरूक जनता। विश्व हिंदू परिषद जयपुर महानगर के पूर्व प्रवक्ता मुकुल सिंह साँचोरा ने बताया कि इस बार 10 नवरात्र के होने से खुशहाली उन्नति की बरसात होगी। माँ जगदम्बा हाथी पर सवार होकर भक्तों के निवास पर पधारेगी।

25 सितंबर को आयोजित होगी कम्प्यूटर टंकण परीक्षा

जयपुर @ जागरूक जनता। जयपुर जिले में क्रीड़ा पदक विजेता एवं मृताश्रित राज्य कर्मचारियों मृतक राज्य कर्मचारियों की नियुक्ति के पश्चात ली जाने वाली कंप्यूटर टंकण गति परीक्षा दिनांक 25 सितंबर, 2025 (गुरुवार) को आईटी इंफ्रा सर्विस, एसपी-41 सी, रीको इंडस्ट्रीयल एरिया, कूकस, जयपुर में आयोजित की जाएगी। 19 सितंबर को उक्त परीक्षा के प्रवेश पत्र पंजीकृत डाक से जारी किये जा चुके हैं। जिन परीक्षार्थियों को दिनांक 23 सितंबर, 2025 तक प्रवेश पत्र प्राप्त नहीं हुए हों तो, वे दिनांक 24 सितंबर, 2025 को शाम 4 बजे तक जिला कलक्टर जयपुर के कमरा नम्बर-149 में संस्थापन अधिकारी कक्ष से प्रवेश पत्र की प्रति प्राप्त कर सकते हैं।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विद्याधर नगर दशहरा मेले का किया उद्घाटन

सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ गरबा महोत्सव की रहेगी धूम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विद्याधर नगर दशहरा मेले का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की और प्रदेशवासियों को नवरात्र की शुभकामनाएँ दी। आयोजन समिति के अध्यक्ष राजू मीणा समेत सदस्यों ने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का स्वागत किया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने इस दौरान कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार नई सौगातें जनता को समर्पित कर रहे है। इसलिए हम सबको इसको उत्सव की तरह मनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सबको स्वदेशी वस्तुओं का ज़्यादा से जायदा इस्तेमाल करना चाहिए। हमारे देश में दूसरे देशों से बढ़िया क्वालिटी का सामान उपलब्ध है। इसके लिए हम सबको मिलकर लोगो को भी जागरूक करने की आवश्यकता है। अगर हम स्वदेशी अपनायेंगे तो हमारी इकोनॉमी मजबूत होगी और रोजगार भी बढ़ेगा। कार्यक्रम में अध्यक्ष राजेंद्र कुमार मीणा, महासचिव राकेश गोयल, संरक्षक रिद्धकरण परसरामपुरिया, नरेंद्र चौधरी, अजय अग्रवाल, शंकर खंडेलवाल, उत्तम पोद्दार, सुनील प्रजापत, कौशल माहेश्वरी, एसके गौस्वामी सहित गणमान्य लोग रहे मौजूद ।

स्कूली बच्चों की सुरक्षा करेगा 'सेफ ट्रैवल' अभियान

जयपुर। जयपुर आरटीओ ने मंगलवार से 'सेफ ट्रैवल' अभियान शुरू किया है। इस अभियान का उद्देश्य शहर में स्कूल बच्चों को ले जाने वाले वाहनों में सुरक्षा नियमों के पालन को सुनिश्चित करना है। आरटीओ अधिकारियों ने बताया कि बस ऑपरेटरों को एक महीने का समय दिया गया था, जिसमें उन्हें बसों में जीपीएस ट्रैकर, सीसीटीवी कैमरा, स्पीड गवर्नर और पैनिक बटन लगाना था। इसके साथ ही चालकों और कंडक्टरों का पुलिस सत्यापन भी कराना अनिवार्य था। आरटीओ जयपुर (प्रथम) राजेंद्र सिंह ने कहा, जागरूकता अभियान के दौरान लगभग 2,000 बसों ने सभी आवश्यक सुरक्षा उपकरण लगाए और नियमों का पालन किया। अब मंगलवार से सड़क पर नियमित जांच शुरू की जाएगी। जिन बसों और वाहनों में यह उपकरण नहीं होंगे, उन्हें जब्त किया जाएगा।

राजेंद्र सिंह ने कहा, जयपुर में स्कूल बच्चों को ले जाने के लिए लगभग 2,500 वाहन हैं, जिनमें ज्यादातर बसें हैं। नियमित जागरूकता अभियानों के चलते अधिकांश बसों ने सभी जरूरी उपकरण लगा लिए हैं, जिन बसों ने नियमों का पालन नहीं किया है, उन्हें जब्त किया जाएगा। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी स्कूल वाहन सुरक्षा उपायों का पालन करें और सभी उपकरण सही तरीके से काम कर रहे हों। इसके लिए नियमित निरीक्षण किए जाएंगे।

बताते चलें, आरटीओ का यह अभियान बच्चों की सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह सुनिश्चित करेगा कि स्कूल जाने वाले बच्चे सुरक्षित और भरोसेमंद परिवहन का उपयोग करें।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने हाइफा हीरो मेजर दलपत सिंह के बलिदान दिवस पर दी श्रद्धांजलि

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान की धरती के वीर सपूत हाइफा हीरो मेजर दलपत सिंह जी के बलिदान दिवस पर आज रावना राजपूत भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कार्यक्रम में भाग लिया और मेजर साहब को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि "मेजर दलपत सिंह का बलिदान केवल इतिहास नहीं, बल्कि एक प्रेरणा है। उन्होंने इजराइल के हाइफा शहर को आजादी दिलाकर न सिर्फ भारत, बल्कि राजस्थान का नाम विश्वपटल पर गौरवान्वित किया।" दिया कुमारी ने यह भी कहा कि वर्तमान सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में, शहीदों व महापुरुषों के सम्मान हेतु अनेक योजनाएं चला रही है, जिससे नई पीढ़ी में देशभक्ति की भावना और इतिहास के प्रति सम्मान बढ़ रहा है। इसके साथ ही नई पीढ़ी को मेजर दलपत सिंह के बलिदान दिवस के बारे में जानकारी देनी चाहिए।

जमवारामगढ़ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जमवारामगढ़ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में "वोट चोर- गद्दी छोड़" अभियान को लेकर विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाध्यक्ष गोपाल मीना, पीसीसी महासचिव एवं जिला प्रभारी आरसी चौधरी, पूर्व मंत्री एवं पीसीसी सचिव मंजू शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष रामदन बनीवाल, श्रवण गुर्जर (प्रधान आंडी), मानसी मीना (प्रधान जुम्हारामगढ़), एडवोकेट रामफूल गुर्जर सहित ब्लॉक कांग्रेस पदाधिकारी, पंचायत समिति सदस्य, जिला परिषद सदस्य व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जिलाध्यक्ष गोपाल मीना ने कहा कि "यह सरकार जनता के वोट चुराकर बनी है। हम हर बूथ, हर गली तक जाएंगे और लोगों को बताएंगे कि उनके मत की चोरी से सरकार बनी है।"

जिला प्रभारी आरसी चौधरी ने कहा कि "संविधान ने जनता को सर्वोच्च शक्ति दी है। जब वोट की चोरी होगी, तब सरकार जनता के प्रति जवाबदेह नहीं रहेगी। यह सरकार वोट चोर सरकार है।" विधानसभा प्रभारी मंजू शर्मा ने कहा "चुनाव आयोग को चाहिए कि वह हर बदलाव की वोटर लिस्ट फोटो सहित सार्वजनिक करे ताकि किसी का वोट गलत तरीके से जोड़ा या हटाया न जाए। कांग्रेस कार्यकर्ता हर नागरिक के मताधिकार की करेंगे।" बैठक में निर्णय लिया गया कि 15 अक्टूबर तक अभियान को गांव-गांव, गली-गली चलाया जाएगा और जनता को जागरूक किया जाएगा। करेंगे।" बैठक में निर्णय लिया गया कि 15 अक्टूबर तक अभियान को गांव-गांव, गली-गली चलाया जाएगा और जनता को जागरूक किया जाएगा।

कौमारभृत्य विभाग, एनआईए द्वारा 10वें आयुर्वेद दिवस एवं 8वें राष्ट्रीय पोषण माह के उपलक्ष्य में विशेष शिविर आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर के कौमारभृत्य (बालरोग) विभाग द्वारा विभागाध्यक्ष प्रो.(डॉ.) निशा ओझा के निर्देशन में राजकीय उच्च महाविद्यालय, रूपवास , जयपुर में निःशुल्क बाल स्वास्थ्य परीक्षण एवं औषध वितरण शिविर का सफल आयोजन किया गया। जन जन में बाल-कुपोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाने के लिए पोषण जागरूकता रैली निकाली गई और साथ ही एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया गया।

इस शिविर में कुल 178 बच्चों (104 बालिकाएँ एवं 74 बालक) का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हें निःशुल्क औषधियाँ प्रदान की गईं। साथ ही बच्चों को पोषण जागरूकता विषय पर व्याख्यान भी दिया गया। इस अवसर पर विभाग की ओर से डॉ. ब्रह्म दत्त शर्मा (असिस्टेंट प्रोफेसर, बालरोग विभाग), डॉ. आनंद खत्री (पी.जी. अध्येती, बालरोग विभाग), डॉ. सिमरन (पी.जी. अध्येता, बालरोग विभाग), डॉ. ओमप्रकाश (पी.जी. अध्येती, बालरोग विभाग), डॉ. राजकिरण (पी.जी. अध्येती, बालरोग विभाग), इंटर्न- अर्जुनराम एवं सुनील चौधरी एवं एमटीएस प्रिंश दुहन ने सक्रिय योगदान दिया। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय के प्राचार्य मीणा ने राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के कुलपति प्रो.(डॉ.) संजीव शर्मा एवं बालरोग विभागाध्यक्ष प्रो.(डॉ.) निशा ओझा का विशेष आभार व्यक्त किया।

अग्रसेन जयंती

अग्रवाल समाज का स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। समस्त अग्रवाल समाज जयपुर उत्तर की विभिन्न अग्रसेवी संस्थाओं द्वारा शेखावाटी विकास परिषद, विद्याधर नगर, जयपुर में एक विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के लिए अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार मित्तल ने राजस्थान इकाई को बधाई दी।

इस शिविर में अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन, राजस्थान ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। शिविर संयोजक अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के मनीष गोयल के कुशल नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन परिवार के सभी सदस्यों ने अनेक रक्तदाताओं का पंजीयन करवाया तथा उन्हें रक्तदान हेतु प्रेरित किया। शिविर में जयपुर उत्तर के मुख्य संयोजक विश्वास गोयल व अग्रवाल समाज के सदस्यों का उत्साह पूर्वक करवा बना रहा। हर व्यक्ति रक्तदान कराने और दूसरों को इसके लिए प्रेरित करने में तत्पर दिखे। रक्तदान उपरांत सभी दाताओं एवं आगंतुकों के लिए मिष्ठान युक्त भोजन, चाय, कॉफी एवं पानी की उत्तम व्यवस्था की गई थी। लगभग 13 समितियों के सामूहिक प्रयासों से यह शिविर अत्यंत सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर अग्रवाल समाज के अनेक गणमान्य व्यक्तियों एवं समाजसेवियों ने भी भाग लिया। शिविर में 300 से अधिक यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जिसमें जयपुर के विभिन्न अस्पतालों एवं मेडिकल सेवाओं का भी सहयोग प्राप्त हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन की ओर से विशेष योगदान देने वालों में ओम प्रकाश अग्रवाल, पवन कुमार मित्तल, वसुंधरा मित्तल, अनीता गोयल, अनुज अग्रवाल, सिद्धार्थ अग्रवाल, रजनीकांत अग्रवाल, अभिजीत गोयल, सुनील रिंगस्या, लव कुमार बंसल, अमित अग्रवाल, मनीष अग्रवाल (बड़े गाँव वाले), गोकुल अग्रवाल, अलका अग्रवाल, अंशु अग्रवाल, मनोज बंसल, श्याम बिहारी गर्ग, सुमन गर्ग, प्रियांशु अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल (पंच), दिनेश अग्रवाल, विजय प्रकाश जैन, प्रेम गोयल, आमोद अग्रवाल सहित अनेक सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस प्रकार अग्रवाल समाज जयपुर उत्तर के सामूहिक प्रयासों से यह रक्तदान शिविर समाज एकता व सेवा का एक प्रेरणादायी उदाहरण बनकर सामने आया।

मुख्यमंत्री ने जीएसटी बचत उत्सव के तहत लोगों को किया जागरूक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) सरलीकरण तथा टैक्स स्लैब में परिवर्तन का निर्णय ऐतिहासिक हैं। उन्होंने कहा कि देशवासियों को त्योहारों के अवसर पर दी गई इस बड़ी सौगात से रोटी, कपड़ा और मकान सस्ते होंगे और आमजन को बड़ी राहत मिलेगी।

शर्मा ने मानसरोवर क्षेत्र के प्रमुख बाजारों में व्यापारियों एवं आमजन को जीएसटी बचत उत्सव के तहत जागरूक किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न प्रतिष्ठानों पर जीएसटी बचत उत्सव से संबंधित स्टीकर्स लगाए तथा लोगों को स्वदेशी उत्पाद अपनाने के लिए प्रेरित किया। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आमजन के प्रति संवेदनशील हैं। उन्होंने जनता की परेशानी को समझते हुए 22 सितंबर से लागू नए जीएसटी स्लैब के माध्यम से मध्यम वर्ग, किसान, व्यापारी एवं उद्योगपतियों सहित सभी वर्गों को राहत दी हैं। जीएसटी के नए प्रावधानों के तहत अब अधिकांश वस्तुएं 4 की बजाय 2 टैक्स स्लैब के दायरे में आएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जीएसटी बचत उत्सव के तहत 22 से 29 सितंबर तक विशेष जन-जागरूकता अभियान चला रही है, जिसके तहत उपभोक्ताओं और व्यापारियों को जीएसटी सरलीकरण से होने वाले लाभों की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि आमजन और व्यापारी जीएसटी बचत उत्सव के रूप में मनाएं तथा अधिक से अधिक स्वदेशी उत्पाद अपनाएं। इससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा उपभोक्ताओं को जीएसटी के नए टैक्स स्लैब का सीधा लाभ मिलेगा। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, ग्रेटर नगर निगम उप-महापौर पुनीत कर्णावट सहित जनप्रतिनिधिगण, बड़ी संख्या में व्यापारी एवं आमजन उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय आयुर्वेद दिवस समारोहः 10वें आयुर्वेद दिवस पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाएं सम्मानित

हर वर्ष 23 सितम्बर को आयोजित होगा आयुर्वेद दिवस

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव आयुष विभाग सुबीर कुमार ने कहा कि आयुर्वेदिक पद्धतियों ने हजारों वर्षों से जीवन को स्वस्थ बनाए रखा है। राज्य सरकार प्रदेश में उन्नत आयुर्वेद चिकित्सा उपलब्ध करवाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। राज्य में आयुष औषधालयों के इंफ्रास्ट्रक्चर पर प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। आमजन के लिए गुणवत्तायुक्त औषधियां और आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

कुमार मंगलवार को जयपुर के आरआईसी में दसवें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयुर्वेद जन-जन के लिए, पृथ्वी के कल्याण के लिए थीम पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय आयुष मिशन की सहायता से राज्य वार्षिक कार्य योजना वर्ष 2025-26 के तहत कुल 348.88 करोड़ रुपये की स्वीकृति जारी की गई है। इसके अंतर्गत लगभग 70 करोड़ रुपये की लागत से जयपुर के चाकसू में राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय तथा दूदू एवं बूंदी में एकीकृत आयुष चिकित्सालयों का निर्माण करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि एक अप्रैल 2025 से आयुष्मान आरोग्य योजना (मा) में आयुष चिकित्सा के 20 पैकेज जोड़े गए हैं, जिनके अंतर्गत 79 आयुर्वेद चिकित्सालयों को एम्पैनल किया गया है।

निदेशक आयुर्वेद विभाग आनंद शर्मा ने कहा कि आयुर्वेद दिवस पूर्व में तिथि के अनुसार आयोजित किया जाता था, अब इसे हर वर्ष 23 सितम्बर को आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आयुष्मान आरोग्य ग्राम योजना के तहत प्रारंभिक रूप से 210 गांवों का चयन किया गया है। इन गांवों में स्वस्थ जीवन शैली के बारे में जागरूकता पैदा कर उन्हें पूर्ण रूप से स्वस्थ ग्राम बनाया जाएगा। इस कार्य के लिए चयनित ग्रामों को प्रोत्साहन स्वरूप 11 लाख रुपये की राशि प्रदान की जाएगी।

कार्यक्रम में आयुर्वेद के प्रो. कमलेश कुमार शर्मा ने कहा कि कोरोना काल के दौरान आयुर्वेद ने अहम भूमिका निभाई है। आयुर्वेदिक चिकित्सा ने स्वस्थ जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त किया है। समारोह में आयुर्वेद के प्रो. श्रीकृष्ण खांडल ने कहा कि राजस्थान आयुर्वेद में अग्रणी राज्य है। वर्तमान समय में आयुर्वेद के वैभव और उपयोग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक व वैज्ञानिक पद्धतियों के कारण ही आयुर्वेद चिकित्सा विज्ञान का भविष्य बनेगा। कार्यक्रम में आयुर्वेद के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं भामाशाहों, चिकित्सकों, कार्मिकों आदि को सम्मानित किया गया। इससे पहले विषेशाधिकारी डॉ. श्रीराम तिवाड़ी ने आयुर्वेद दिवस पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा की ओर से संदेश वाचन किया। इस दौरान आयुर्वेद विभाग के शासन उपसचिव इंद्रजीत सिंह, निवर्तमान उपसचिव सावन कुमार चायल, आयुर्वेद विभाग की निवर्तमान अतिरिक्त निदेशक मेघना चौधरी सहित विभागीय कार्मिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने महारानी फार्म-मानसरोवर लिंक ब्रिज के नवीनीकरण कार्य का किया लोकार्पण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मानसरोवर क्षेत्र में महारानी फार्म-मानसरोवर लिंक ब्रिज के नवीनीकरण कार्य का फीता खोलकर लोकार्पण किया। लगभग 6 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से पुलिया के नवीन निर्माण कार्य के अंतर्गत बॉक्स कल्वर्ट पद्धति से इसकी ऊंचाई 2 मीटर तक बढ़ाई गई है। इससे वर्षाकाल में पुलिया पर द्रव्यवती नदी के जल का बहाव नहीं होने से पुलिया पर यातायात सुचारू होगा तथा आमजन को बड़ी राहत मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि दुर्गापुरा टोंक रोड़ क्षेत्र को मानसरोवर से जोड़ने वाली यह पुलिया महारानी फार्म एवं अग्रवाल फार्म के मध्य द्रव्यवती नदी पर स्थित है। पूर्व में इस पुलिया की ऊंचाई कम होने के कारण वर्षाकाल में नदी का पानी पुलिया के ऊपर से बहकर निकलता था, जिससे यातायात अवरूद्ध हो जाता था। आमजन को इससे होने वाली परेशानी को देखते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने पुलिया की ऊंचाई बढ़ाने के निर्देश दिए थे। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, नगर-निगम ग्रेटर उप-महापौर पुनीत कर्णावट सहित जेडीए एवं संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

कोटा में जिला एवं सत्र न्यायालय के नए भवन का निर्माण कार्य अगले वर्ष से

कोटा @ जागरूक जनता। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला अभिभाषक परिषद कोटा द्वारा आयोजित शेड फ्लोरिंग कार्य के लोकार्पण समारोह में शामिल हुए। उन्होंने जिला एवं सत्र न्यायालय के नए भवन को लेकर चल रही तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की और कहा कि भवन का निर्माण कार्य जनवरी 2026 से शुरू कर दिया जाएगा। निर्माण को लेकर सेना की ओर से कुछ आपत्तियाँ आई हैं, जिन पर बातचीत चल रही है।

जालसू में आज होगा पहले 'नारी चौपाल' कार्यक्रम का आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार सक्षम जयपुर अभियान एवं बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत जिले के प्रत्येक उपखंड पर नारी चौपाल कार्यक्रम आयोजित किए जाएगा। इसी कड़ी में पहला नारी चौपाल कार्यक्रम 24 सितम्बर को जालसू पंचायत समिति में आयोजित होगा। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने नारी चौपाल के सफल आयोजन के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी हैं एवं आयोजन में अधिक से अधिक महिलाओं एवं बालिकाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किये हैं।

कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारी श्री मृणाल ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त एवं जागरूक बनाना है। नारी चौपाल में महिलाओं को सरकार की योजनाओं, अधिकारों और कल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी, साथ ही उनकी समस्याओं और सुझावों को भी सुना जाएगा। महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक डॉ. राजेश डोगीवाल ने बताया कि बुधवार को जालसू के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के परिसर में प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक नारी चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें नुक्कड़ नाटक, मारवाड़ी गीत, आत्मरक्षा प्रशिक्षण सहित अन्य गतिविधियां आकर्षण का केन्द्र रहेंगी। वहीं, अतिथियों द्वारा प्रतियोगिताओं की विजेताओं को सम्मानित भी किया जाएगा।

प्रहलाद, रामअवतार, दारासिंह को जयपुर जिला कलेक्टर ने वितरित किए पट्टे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर जिले की ग्राम पंचायत टूमली का बांस निवासी प्रहलाद पुत्र ग्यारसीलाल, रामअवतार सैन पुत्र लादुराम, दारासिंह पुत्र करण सिंह कई वर्षों से जिन भूखण्डों पर निवास कर रहे थे। उनका पट्टा उनके पास नहीं था। इस कारण उन्हें भूखण्ड का निर्माण पूर्ण करवाने में समस्या का सामना करना पड़ रहा था, तथा ऋण नहीं मिल पाने के कारण आर्थिक रूप से भी वे अपने सपनों के आशियाने को बनाने में सक्षम नहीं थे। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार दिनांक 20 सितंबर को ग्राम पंचायत टूमली का बांस में लगे ग्रामीण सेवा शिविर में पंचायत प्रशासन द्वारा उक्त तीनों लोगों को ग्राम पंचायत की आबादी भूमि में भूखण्डों के पट्टे तैयार करवाए गए। जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी द्वारा तीनों ग्रामीणों को पट्टे जारी किए तो उनकी खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा। तीनों लाभार्थियों ने पट्टे प्राप्त करने पर जिला प्रशासन व राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया है।

एनआईए में मनाया 10वां आयुर्वेद दिवस

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। 10वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान मानद विश्वविद्यालय जयपुर में भगवान धन्वंतरि की पूजा एवं हवन किया गया। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा ने बताया की आज से हर साल 23 सितंबर को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस मनाया जाएगा। इस साल "आयुर्वेद जन-जन के लिए पृथ्वी के कल्याण के लिए" की थीम पर मनाया जा रहा है। 10वें आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य पर संस्थान के सभी विभागों द्वारा आयुर्वेद के माध्यम से आमजन के बेहतर स्वास्थ्य और जनजागरूकता के लिये जयपुर ओर ग्रामीण इलाकों में निःशुल्क शिविर लगाने के साथ आयुर्वेद जागरूकता रैली निकाली गई है। आयुर्वेद दिवस पर संस्थान में आयोजित पूजा में कुलपति प्रो संजीव शर्मा, प्रो. पी हेमन्ता, संयुक्त निदेशक जे.पी. शर्मा, उपनिदेशक चंद्रशेखर शर्मा, चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. अनुपम श्रीवास्तव के साथ सभी चिकित्सकों, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने भाग लिया।

रबी फसल सीजन हेतु जयपुर जिले में खाद एवं उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर जिले के किसानों को उनकी कृषि भूमि एवं रबी फसलों की बुवाई क्षेत्र की आवश्यकता अनुसार पर्याप्त मात्रा में खाद एवं उर्वरक उपलब्ध कराए जा रहे हैं। संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार, जिला परिषद जयपुर, कैलाश चंद मीणा ने बताया कि 22 सितम्बर, 2025 को सहकारी संस्था कृभको का डीएपी उर्वरक का एक रैक जयपुर जिले को प्राप्त हुआ है, जिसके माध्यम से जिले की 50 से 60 सहकारी समितियों को डीएपी उर्वरक की आपूर्ति की जा चुकी है। शीघ्र ही एनएफएल एवं सहकारी संस्था इफको के उर्वरकों के रैक भी जिले को प्राप्त होने की संभावना है। इन रैकों के प्राप्त होते ही जिले की सभी सहकारी समितियों एवं निजी खाद विक्रेताओं के पास पर्याप्त मात्रा में खाद एवं उर्वरक उपलब्ध हो जाएंगे।

उन्होंने बताया कि आगामी रबी फसल सीजन को देखते हुए जिले में पर्याप्त मात्रा में खाद एवं उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। जिले में खाद एवं उर्वरकों की आपूर्ति तथा वितरण संबंधी किसी प्रकार की समस्या नहीं है।

नगर निगम ग्रेटर स्वच्छोत्सव की थीम पर आयोजित कर रहा है सेवा पखवाड़ा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर @ जागरूक जनता। विद्याधर नगर जोन के नेशनल हैंडलूम के पास सफाई अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें सफाई मित्रों के साथ-साथ निगम अधिकारियों और आमजन ने भी स्वच्छता की कमान संभालते हुए सक्रिय भागीदारी निभाई।

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत विभिन्न स्वच्छता जनजागरूकता संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य स्वच्छता को जनांदोलन का रूप देना तथा जयपुरवासियों को स्वच्छ, स्वस्थ और हरित जीवनशैली अपनाने हेतु प्रेरित करना है।

अभियान के दौरान स्कूलों, बाज़ारों एवं सार्वजनिक स्थलों पर आयोजित विशेष कार्यक्रमों के माध्यम से अब तक लगभग 5,000 नागरिकों को अभियान से जोड़ा गया। प्रमुख डिवाइडर, पार्क, पर्यटक स्थलों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर सफाई अभियान संचालित किए गए। साथ ही स्वच्छ एवं हरित जयपुर के संकल्प के अंतर्गत व्यापक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। अब तक आयोजित हुए कार्यक्रमों के अंतर्गत सफाई मित्रों के स्वास्थ्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विशेष निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया गया। अब तक आयोजित किये गये कार्यक्रमों में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी उल्लेखनीय रही। छात्रों ने ड्राइंग प्रतियोगिता में स्वच्छता विषयक चित्र बनाए गए और रैली निकालकर आमजन तक स्वच्छता का संदेश पहुँचाया। इसके अतिरिक्त सात स्ट्रीट वेंडिंग ज़ोन में विशेष सफाई अभियान चलाया गया, जहाँ दुकानदारों को प्लास्टिक मुक्त ज़ोन बनाने की शपथ दिलवाई गई तथा प्रत्येक दुकान पर "प्लास्टिक का बहिष्कार" संबंधी स्टीकर लगाए गए। नगर निगम ग्रेटर के आयुक्त ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित कर स्वच्छता को सामूहिक प्रयास के रूप में आगे बढ़ाना है। उन्होंने जयपुरवासियों से अपील की कि वे अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने के साथ प्लास्टिक मुक्त जयपुर बनाने में सक्रिय सहयोग दें।

इसी क्रम में मोती डूँगरी मंदिर परिसर में 'स्वच्छ उत्सव - स्वच्छ नवरात्र' के तहत दुकानदारों और श्रद्धालुओं को उत्सव स्वच्छता के साथ मनाने के लिए जागरूक किया गया तथा मंगलवार को नगर निगम ग्रेटर की टीम द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत क्लीन-ग्रीन उत्सव थीम पर झारखंड महादेव मंदिर प्रांगण में स्कूल विद्यार्थियों के साथ मिलकर दुकानदारों और श्रद्धालुओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। विद्याधर नगर जोन के नेशनल हैंडलूम के पास सफाई अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें सफाई मित्रों के साथ-साथ निगम अधिकारियों और आमजन ने भी स्वच्छता की कमान सँभालते हुए सक्रिय भागीदारी निभाई।

प्रतापगढ़ जिला प्रभारी मंत्री डॉ. मंजू बाघमार ने ली जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। महिला अधिकारिता एवं बाल विकास मंत्री डॉ. मंजू बाघमार ने कहा की सेवा पर्व पखवाड़े का उद्देश्य केवल औपचारिकता पूरी करना नहीं, बल्कि आमजन को वास्तविक लाभ पहुँचाना है। मंत्री डॉ. बाघमार मंगलवार को प्रतापगढ़ जिले के विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रही थी। बैठक में सेवा पर्व पखवाड़े के तहत चल रहे शिविरों, राज्य सरकार की बजट घोषणाओं एवं विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति पर चर्चा की गई। मंत्री डॉ. बाघमार ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभाग सुनिश्चित करें कि शिविरों में प्रत्येक पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ पहुँचे। उन्होंने कहा कि शिविरों में योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि आमजन को योजनाओं की जानकारी सहज रूप से उपलब्ध हो सके। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि समस्याओं का समाधान त्वरित, गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक हो। उन्होंने जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रत्येक परिवार को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है और इसका बेहतर रि यान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने राइज़िंग राजस्थान के तहत पंच गौरव के उत्पादों के विपणन एवं उन्हे बेहतर मंच उपलब्ध करवाने के किए कार्ययोजना बनाने और व्यवसायियों को प्रोत्साहित करने के लिए कहा।

सम्पादकीय

विदेश नीति में चुनौतियां

अमेरिका ने H-1B वीजा की फीस में अचानक 50 गुना इजाफा करने का जो फैसला किया है, उसकी मार सबसे ज्यादा भारतीयों पर ही पड़ने वाली है। लेकिन यह अपने आप में ऐसी कोई इकलौती घटना नहीं है। पिछले कुछ दिनों में ऐसी कई घटनाएं हुई जो भारतीय विदेश नीति के लिए चुनौती की तरह आई हैं।

भारत से भेजे जाने वाले सामानों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने के जो भी तर्क दिए गए हों, सचाई यही है कि यह फैसला ट्रेड रिलेशन के ग्रामर में फिट नहीं बैठता। यह बात भी सही है कि न तो भारत रूस से सबसे ज्यादा तेल खरीदने वाला देश है और न ही उसके साथ व्यापार करने वाला इकलौता देश। बहरहाल, टैरिफ का मसला सुलझाने के लिए प्रयास भी दोनों तरफ से जारी हैं। लेकिन, जब इन प्रयासों के मद्देनजर ट्रेड डील पर कोई नतीजा निकलने की उम्मीद बढ़ रही थी, तब अचानक वीजा- फीस बढ़ाने का यह फैसला आ गया जिससे आम लोगों के स्तर पर द्विपक्षीय रिश्तों का व्याकरण गड़बड़ाता दिखने लगा।

रूस पर दबाव बढ़ाने के बहाने भारत पर टैरिफ लादने का मामला अभी सुलझा भी नहीं कि ईरान पर दबाव बढ़ाने की जरूरत बताते हुए चाबहार पोर्ट तक हमारी पहुंच रोकने की कोशिश की गई। इस पोर्ट के इस्तेमाल को लेकर जो छूट हमें दी गई थी, उसे ट्रंप प्रशासन ने समाप्त कर दिया। इस पोर्ट को विकसित करने में भारत अपना काफी संसाधन लगा चुका है। पिछले दिनों सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुआ सामरिक समझौता भी कम गंभीर मसला नहीं है। इस समझौते के मुताबिक सऊदी अरब और पाकिस्तान तय किया है कि किसी भी एक देश पर हुए हमले को दोनों देश अपने ऊपर हमला मानेंगे। हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में देखें तो भारत इस क्षेत्र में बन रहे इन नए समीकरणों की किसी भी रूप में अनदेखी नहीं कर सकता।

इन तमाम घटनाओं को समग्रता में देखें तो ऐसा लगता है कि भारत को अपनी विदेश नीति की बारीकियों पर दोबारा गौर करने की जरूरत है। विदेश नीति में लचीलापन (फ्लेक्सिबिलिटी) जितना आवश्यक है, उससे कम अहमियत निरंतरता (कंटिन्यूटी) की नहीं है। बदलते अंतरराष्ट्रीय समीकरणों को संबोधित करते हुए भी यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि विदेश नीति के बुनियादी मानकों पर फोकस बना रहे।

क्रिकेट और आतंक के खिलाफ जंग में फर्क करना जरूरी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

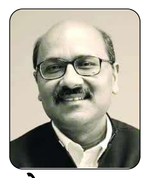

शेखर गुप्ता
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

> कई समझदार लोग भी पाकिस्तान के साथ क्रिकेट नहीं खेलने की हिमायत करने लगे हैं मगर यह सोच उनमें इस प्रतिस्पर्द्धी खेल की समझ की कमी उजागर करती है।

औपचारिक रूप से देखें तो 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी भी जारी है। हालांकि, सीमा पर शांति है और कहीं से कोई आहट नहीं दिख रही है लेकिन युद्ध क्रिकेट की दुनिया तक पहुंच गया है। यह अलग बात है कि यह मैदान से बाहर लड़ा जा रहा है। दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, तीसरी सबसे बड़ी सेना और सबसे बड़ी आबादी द्वारा छेड़े गए 'आतंकवाद के खिलाफ युद्ध' की दशा-दिशा इस बात से तय हो रही है कि वह पाकिस्तान के खिलाफ क्रिकेट खेले या नहीं। वास्तव में यह बहस क्रिकेट (सामान्य रूप से खेल) या यहां तक कि भारत-पाकिस्तान संबंधों के बारे में भी नहीं है। यह हमारे दोहरे मानदंड या ढोंग को उजागर कर रहा है। इस दोहरे मानदंड को और उजागर करने के लिए मैं आपको टोकियो के विशाल नैशनल स्टेडियम में ले चलूंगा जहां एक ऐतिहासिक पल सामने आया जब भारतीय उपमहाद्वीप के चार एथलीट (दो भारत से, एक-एक पाकिस्तान और श्रीलंका से) विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाला फेंकने की प्रतिस्पर्द्धा में अंतिम12 खिलाड़ियों में शामिल थे।

अगर आपने पूरे दिन सभी सोशल मीडिया हैंडल पर नजर दौड़ाई हो और विशेष रूप से उस समय जब भाले फेंके जा रहे थे तो आपको कुछ विशेष ट्रेंड करता नहीं दिखा होगा। इस बात को लेकर कहीं कोई आक्रोश नहीं था कि नीरज चोपड़ा और सचिन यादव पाकिस्तानी अरशद नदीम के खिलाफ प्रतिस्पर्द्धा कर रहे थे। वर्ष 1896 में एथेंस में आधुनिक ओलिंपिक खेल शुरू होने के बाद से पिछले 130 वर्षों में भारतीय उपमहाद्वीप यानी दो अरब लोगों के समूह ने केवल तीन व्यक्तिगत ओलिंपिक स्वर्ण पदक जीते हैं। जी हां, ये आंकड़े बिल्कुल दुरुस्त हैं। उनमें से दो वही हैं नीरज चोपड़ा और अरशद नदीम जो टोकियो में अंतिम 12 खिलाड़ियों में शामिल थे।

आपको इस कार्यक्रम में लोगों की अधिक दिलचस्पी होने की उम्मीद जरूर होगी। मगर ऐसा नहीं था। अभी भी इस बात का जुनून लोगों के सिर पर सवार है कि भारत को पाकिस्तान के साथ खेलना चाहिए या नहीं। मैंने पाकिस्तानी मीडिया बहस भी देखी। उनके ओलिंपिक स्वर्ण पदक विजेता और विश्व रिकॉर्ड धारक अपने कट्टर भारतीय प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ प्रतिस्पर्द्धा कर रहे थे मगर बहुत कम उत्साह दिख रहा था क्योंकि हमारा जुनून तो क्रिकेट तक सीमित है। एक तरह से मैं कहूंगा कि यह अच्छी बात है। राहत मानिए कि इंटरनेट एवं समाचार चैनलों पर जमी भीड़ सेना में जेसीओ चोपड़ा को पाकिस्तान के खिलाफ प्रतिस्पर्द्धा करने के लिए

परेशान नहीं कर रही थी, जबकि पहलगाम की विधवाएं तब भी शोक में डूबी हुई थीं। क्रिकेट और एथलेटिक्स के प्रति यह अलग-अलग भावनात्मक प्रतिक्रिया केवल आंशिक रूप से हमारे क्रिकेट के जुनून से आती है। बाकी मुख्य मकसद तो वही अधिक से अधिक सुर्खियों में रहना है। क्रिकेट दिन-रात आक्रोश पैदा करने के लिहाज से ओलिंपिक खेलों से कहीं अधिक प्रभावी रहा है।

मेरे लिए सबसे यादगार पल वह है जब कई नामी लोगों, विशेष रूप से पत्रकारों ने पहलगाम पीड़ितों के पिताओं की तस्वीरें पोस्ट कीं जो अपने पुत्रों का अंतिम संस्कार कर रहे थे या उन शोक संतप्त विधवाओं की जिनका सुहाग उजड़ चुका था। वे पूछ रहे थे कि क्या पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलने का मतलब है कि हमने उन्हें न्याय दिला दिया है? मेरा सवाल यह है कि क्या क्रिकेट नहीं खेलने और पाकिस्तान को अंक दिला देने से उन्हें न्याय मिलने का एहसास होगा? क्या हमने अपनी वायु सेना, सेना और नौ सेना की संयुक्त और भयंकर मारक क्षमता का उपयोग कर उन्हें न्याय नहीं दिलाई? आप यह बात तभी नहीं मानेंगे जब आपको भी उन कई मूर्ख पाकिस्तानियों की तरह यह लगेगा कि जैश और लश्कर के तबाह हुए मुख्यालय, नेस्तनाबूद हुए एक दर्जन पाकिस्तानी वायुसेना अड्डे और धुएं से भरे रडार कोई खास बात नहीं है। भारतीय क्रिकेट आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में क्या हासिल कर सकता है जो हमारी सशस्त्र सेनाओं ने नहीं किया है, या अगर फिर ऐसी कोई जरूरत आन पड़ती है तो क्या फिर नहीं करेगी? हमारा खेल जुनून एकेश्वरवादी है, क्रिकेट ही एकमात्र भगवान है। इस मामले में उसी तरह आक्रोश जीतने को लेकर उतना नहीं है जितना खेलने या बहिष्कार करने के बारे में है। बात केवल सोशल मीडिया तक होती इसे एक आक्रोश से भरी प्रतिक्रिया समझ कर नजरअंदाज किया जा सकता था। मगर हमारे न्यूज चैनलों पर भी यह बहस हावी रही। दोनों तरफ प्राइम टाइम में जहर उगला गया जिनमें कई बार तो अमर्यादित भाषाओं का भी इस्तेमाल हुआ।

उदाहरण के लिए पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी मोहम्मद यूसुफ एक समाचार चैनल पर एक महिला एंकर के साथ हंसते हुए भारतीय कप्तान सूर्य कुमार यादव के पहले नाम का 'गलत उच्चारण' करने का नाटक करते रहे। मैं यहां उसे दोहराना नहीं चाहता हूं। आम तौर पर इस तरह की बदतमीजी अक्सर दोनों तरफ होती रहती है। अब कई समझदार लोग भी इस बात से सहमत दिखाई दे रहे हैं कि पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना, यहां तक कि किसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी, राजनीतिक, रणनीतिक और सबसे महत्त्वपूर्ण नैतिक रूप से गलत है।

वे चाहते हैं कि भारत या तो टूर्नामेंट का बहिष्कार करे या मैच अप्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान के पाले में जाने का मौका दे। ऐसी सोच एक प्रतिस्पर्द्धी खेल की समझ की कमी दर्शाती है। यह दुख की बात है कि भारत आतंकवाद का शिकार है। तो क्या उसे फिर सभी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पाकिस्तान को वॉकओवर देना चाहिए? यह किस तरह की पराजयवादी मानसिकता है? इसका मतलब है कि पाकिस्तान, जिसके पास पिछले 20 वर्षों में किसी भी रूप में भारत को हराने की संभावना दस में से केवल एक रही है, उसे जीत तोहफे में दे दी जाए? खेल से जुड़े कुछ आंकड़े काफी शिक्षाप्रद होते हैं। भारतीयों की दो पीढ़ियां पाकिस्तान के खिलाफ हमारी हार के पिछले रिकॉर्ड से अब भी आहत महसूस करती हैं। पिछले 25 वर्षों में स्थितियां बदल गई हैं। उदाहरण के लिए टी20 क्रिकेट में पिछले 20 वर्षों में खेले गए कुल 14 मैचों में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ 11-3 से बढ़त बनाई है। पिछले एक दशक में हुए एकदिवसीय मुकाबलों में भारत 8-1 के साथ आगे है। इंगलैंड के द ओवल में 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल मैच के बाद भारत पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय क्रिकेट मैच में 7-0 से आगे है। पाकिस्तान अब कभी जीतता भी है तो उसे अपवाद ही माना जाता है। क्या अब इसे यानी नियम बन जाने दें? क्या पहलगाम पीड़ितों को इस बात से न्याय मिलेगा कि हम पाकिस्तान को हमेशा हारने वाली टीम की बजाय स्थायी विजेता का दर्जा दे दें? एकमात्र खेल जहां पाकिस्तान का दबदबा रहा है वह हॉकी है। क्रिकेट की तुलना में यहां तो समीकरण और अधिक बदल गया है। पिछले 10 वर्षों में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सभी सात मैच जीते हैं, जिसमें हांगचाऊ एशियाई खेल 2022 में दर्ज 10-2 की विशाल जीत भी शामिल है। पाकिस्तान 2012 से ही ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई करने में विफल रहा है।

(ये लेखक के अपने विचार है)

मोदी के 11 साल पूरे, 4 दशक में सबसे लंबे समय तक रहने वाले प्रधानमंत्री

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कई गुणों की चर्चा अक्सर की जाती हैं। मोदी ऐसे प्रधानमंत्री बन गए जो विगत 4 दशक से सबसे ज्यादा लंबे समय तक लगातार रहने वाले प्रधानमंत्री हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं और देश की दिशा में सकारात्मक परिवर्तन आया है। मोदी की दूरदर्शिता ने भारत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है, जैसे कि डिजिटल इंडिया और मेक इन इंडिया जैसे अभियानों के माध्यम से आगे बढ़ाया है। प्रधानमंत्री मोदी के कई महत्वपूर्ण निर्णयों ने पूरे देश पर प्रभाव डाला, जैसे कि नोटबंदी और जीएसटी लागू करना, जिन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को? बदल दिया। मोदी सरकार का संचार कौशल अद्वितीय है, जो उन्हें जनता के साथ जुड़ने और अपने विचारों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने में मदद करता है। मोदी के कार्यकाल में कोरोना जैसी महामारी से निपटने के लिए माकूल इंतजाम किए गए। इसी का परिणाम है कि भारत पर इस महामारी का असर कम हुआ? मोदी ने स्वदेशी वैक्सीन तैयार करवा कर विश्व का चकित कर दिया। मोदी के कार्यकाल में कश्मीर में धारा 370 हटाई गई और राम मंदिर निर्माण का काम पूरा हुआ। यह दोनों मुद्दे पिछले कई दशकों से देश की राजनीति में छाए हुए थे। इन मुद्दों को उन्होंने हमेशा के लिए खत्म कर दिया। प्रधानमंत्री मोदी की सादगी और निष्ठा ने उन्हें जनता के बीच एक विशेष स्थान दिलाया है, जो उनकी ईमानदारी और देश के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

डॉ. मोनिका शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

प्रधानमंत्री मोदी की उपलब्धियां

मोदी सरकार ने कई आर्थिक सुधार किए हैं, जैसे कि जीएसटी और इन्सोल्वेंसी एंड बैंकरप्ट्सी कोड, जिन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कई सामाजिक कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं, जैसे कि पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना और आयुष्मान भारत, जिन्होंने गरीबों और जरूरतमंदों को बड़ा लाभ मिला।प्रधानमंत्री मोदी ने कई सामाजिक कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं, जैसे कि पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना और आयुष्मान भारत, जिन्होंने गरीबों और जरूरतमंदों की मदद की है। मोदी सरकार ने विदेश नीति को मजबूत बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं, जैसे कि पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को मजबूत करना और वैश्विक मंच पर भारत की आवाज उठाया।प्रधानमंत्री मोदी के इन गुणों और उपलब्धियों ने उन्हें एक प्रभावशाली नेता के रूप में स्थापित किया है, जिसने देश की दिशा में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मोदी सरकार और धर्म

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की धार्मिक नीति को लेकर विभिन्न विचार हैं। कुछ लोगों का मानना है कि उनकी नीतियां धार्मिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा देती हैं, जबकि अन्य उनकी नीतियों को सांस्कृतिक और धार्मिक मूल्यों के संरक्षण के रूप में देखते हैं।

मोदी सरकार की धार्मिक नीति

मोदी सरकार ने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण को बढ़ावा दिया, जिसे हिंदू समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा माना जाता है।सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है, जिसमें आतंकवादी संगठनों पर प्रतिबंध लगाना और उनके खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक करना शामिल है।मोदी सरकार ने नागरिकता संशोधन अधिनियम के माध्यम से सीमाओं के बाहर धार्मिक प्रताड़ना झेल रहे हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन समुदाय को शरण और नागरिकता देने का प्रयास किया है। सरकार ने कश्मीर में आतंकवाद और अलगाववाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है, जिसमें अनुच्छेद 370 और 35 को हटाना शामिल है। कुछ लोगों का मानना है कि मोदी सरकार की नीतियां धार्मिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा देती हैं और अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों की अनदेखी करती हैं। वहीं मोदी सरकार की नीतियां भारतीय संस्कृति और धार्मिक मूल्यों के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण हैं,अवधारणा भी बनी है।

आखर-आखर झरे उजियार

'राजी हैं हम उसी में' किसी महामंत्र से कम नहीं

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

एक था राजा। राजाओं में जैसे राजसिक गुण और व्यसन होते हैं, स्वभावतः उसमें भी थे। शिकार का शौक था। एक बार वो आखेट पर निकला। जंगल में शेर को देख कर राजा ने प्रत्यंचा पर तीर खींचा ही था कि एक जंगली सुअर आया और उसके रथ को धक्का मार गया। इस घटना से उसकी एकाग्रता भंग हो गई। विचलित अवस्था में नुकीले तीर से उस की खुद की अंगुली कट गई। खून बहने लगा। व्याकुलतावश उसके मुँह से ज़ोरदार आह निकल गई। उसके साथ मौजूद पार्षद ने कहा, राजन ! कोई बात नहीं।हरि इच्छा बलवान है। प्रभु जो करते हैं,अच्छे के लिए करते हैं।

पार्षद की बात से अंगुली के दर्द से पीड़ित राजा को बहुत गुस्सा आ गया। उसने पार्षद को आज्ञा दी तुरन्त मेरी नज़रों से दूर हो जाओ । तुम्हें देश निकाला दिया जाता है। राजा के क्रोध से कुपित पार्षद राज की सीमा से बाहर जाने के किये विपरीत दिशा में चल दिया।

इधर राजा कुछ आगे बढ़ा ही था कि उसे आदमखोर पिशाचों ने घेर लिया। वे उसे पकड कर अपने सरगना के पास ले गए। राजा को बलि पर चढ़ाने की कार्रवाई चल रही थी कि उनके पुजारी ने देखा कि राजा की अंगुली कटी हुई है,ये तो खंडित देह है। इसकी बलि स्वीकार नहीं हो सकती। सम्भावित बलि से राजा को मुक्त कर दिया गया।

राजा को तो जैसे सचमुच जीवनदान मिल गया। उसे तुरन्त अपने पार्षद की याद आई। सोचने लगा, पार्षद ठीक कह रहा था कि प्रभु जो करते हैं, अच्छे के लिए करते हैं। मैंने व्यर्थ ही उसे देश निकाला दे दिया।इस पछतावे के साथ वो उस दिशा में बढ़ा जिस दिशा में पार्षद को जाते देखा था। संयोगवश एक तालाब के किनारे वो हरिभजन में तल्लीन बैठा था। राजा ने प्रेम से उसे गले लगाया,अपनी गलती के लिए माफ़ी मांगी। फिर सारी घटना सिलसिलेवार सुनाई।

राजा ने कहा, मेरी अंगुली कटी, माना ये प्रभु कृपा थी। परंतु तुम्हें अपमानित कर वहां से मैंने भगा दिया,इस में क्या अच्छाई छुपी थी, बताओ। पार्षद बोला, राजन ! मैं साथ होता तो मेरी बलि तो पक्की थी। इस तरह भगवान ने मुझे भी बचा लिया। वाकई, ये सत्य ही शाश्वत है कि हरि इच्छा सर्वोपरि है। वो जो करते हैं ,अच्छे के लिए ही करते हैं।

'राजी हैं हम उसी में जिसमें तेरी रजा है'...यह सोच किसी महामंत्र से कम नहीं !

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

इसलिए मनुष्य को अन्य वस्तु का चिंतन न करके केवल परमात्मा का ही चिंतन करना चाहिए। ब्रह्मवेत्ता दत्तात्रेय जी का कहना है, यह मनुष्य शरीर भी गुरु ही है, क्योंकि इसी से विवेक और वैराग्य की शिक्षा मिलती है। इस शरीर से तत्व विचार करने में सहायता मिलती है। किंतु यह शरीर अनित्य है इसलिए इससे हमेशा असंग ही रहना चाहिए। शरीर में विशेष आसक्ति के कारण जीव अनेक दुःख भोगता है, जन्म-मृत्यु के चक्कर में पड़ता है। सब जीव धारियों में मनुष्य शरीर ही श्रेष्ठ है इससे परम परुषार्थ की प्राप्ति होती है। इसलिए अनेक जन्मों के बाद यह अत्यंत दुर्लभ मनुष्य शरीर पाकर बुद्धिमान पुरुष को चाहिए कि शीघ्र से शीघ्र मृत्यु से पहले मोक्ष प्राप्ति का प्रयत्न कर ले। इस जीवन का मुख्य उद्देश्य मोक्ष ही है। विषय भोग तो सभी योनियों में प्राप्त हो सकते हैं। किंतु मोक्ष का साधन मनुष्य शरीर है।

प्रार्थना:ओम् असतो मा सद्गमय। ओम् तमसो मा ज्योतिर्गमय। ओम् मृत्योर्मा अमृतं गमय। सर्वेषां स्वस्तिर्भवतु। सर्वेषां शांतिर्भवतु। सर्वेषां मंगलं भवतु। सर्वेषां पूर्णम् भवतु। लोका समस्ता- सुखिनो भवन्तु।
सर्वे भवन्तु सुखिनः। सर्वे सन्तु निरामया।। सर्वे भद्राणि पश्यन्तु। मा कश्चिद् दुःख भाग्भवेत्। *

ओपिनियन

2035 तक $1 ट्रिलियन तक बढ़ेगी भारत की जीडीपी, AI बनेगा गेमचेंजर

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नीति आयोग की एक नई रिपोर्ट में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक के इस्तेमाल के जरिये एक त्वरित आर्थिक विकास का ढांचा पेश किया गया है। इस रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि सिर्फ उत्पादकता में सुधार से वर्ष 2035 तक सकल घरेलू उत्पाद में अतिरिक्त 500-600 अरब डॉलर इजाफा हो सकता है और अनुसंधान एवं विकास में नवाचार को तेज करने से अतिरिक्त 280-475 अरब डॉलर रकम जुड़ सकती है। भारत में तकनीक की जानकारी रखने वाला एक विशाल कार्यबल है और यहां डिजिटल ढांचे का भी तेजी से विस्तार हो रहा है।

तुषार पुरोहित
पत्रकार
@jagrukjanta.net

इनके अलावा, आरऐंडडी तंत्र का भी तेजी से विस्तार हो रहा है। इन खूबियों की बदौलत भारत वैश्विक एआई वैल्यू पूल में 10-15 फीसदी हिस्सेदारी हासिल कर सकता है। मगर केवल अवसर मौजूद रहना ही काफी नहीं है। सरकार, उद्योग और शिक्षा-व्यवस्था के बीच मजबूत समन्वय एक ठोस एवं समावेशी एआई तंत्र विकसित करने के लिए आवश्यक हैं।

इसी दिशा में सरकार ने 10,000 करोड़ रुपये से भी अधिक लागत से 'इंडिया एआई मिशन' शुरू किया है। इंडिया एआई मिशन का उद्देश्य डेटा लैब एवं ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) स्थापित करना, भारत के लिए विशिष्ट लार्ज लैंग्वेज मॉडल विकसित करना और राष्ट्रीय कौशल योजना में एआई का समावेश करना है। यह पहल संप्रभु डेटा ढांचा और जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए बड़े स्तर पर एआई अपनाने की बुनियाद तैयार करेगी। नीति आयोग की इस रिपोर्ट में जिन संभावनाओं का जिक्र किया गया है उनमें वैश्विक डेटा केंद्र बनने की भारत की क्षमता भी शामिल है। डेटा अगले चरण के एआई मॉडलों को ताकत दे सकते हैं और विनिर्माण, दवा, वित्तीय सेवाएं और वाहन उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में तेज विकास के द्वार खोल सकते हैं। विशेषकर, दवा क्षेत्र बड़े बदलाव लाने वाली संभावनाओं से भरा है। वर्तमान में भारत के दवा बाजार का 80 फीसदी हिस्सा जेनरिक दवाओं तक सीमित है क्योंकि आरऐंडडी पर अधिक खर्च आता है और इसमें समय भी काफी लगता है। मगर एआई के माध्यम से दवाओं की खोज पर आने वाली लागत और इनके विकास में लगने वाला समय दोनों कम किए जा सकते हैं जिससे भारत जेनरिक दवाओं के निर्माता से वैश्विक नवाचारकर्ता बन सकता है। विशाल जीन पूल और

औषध विज्ञान में विशेषज्ञता जैसी खूबियों की बदौलत भारत स्वयं को नए नवाचारी दवा विकास के केंद्र के रूप में तैयार कर सकता है।

इसी तरह, सॉफ्टवेयर की मदद से संचालित वाहनों (एसएवी) के साथ वाहन क्षेत्र नए बदलाव के लिए तैयार दिख रहा है। सॉफ्टवेयर की मदद से संचालित वाहनों में एआई डिजाइन, परीक्षण और उपकरणों के संयोजन को संचालित कर सकता है। एआई-रेडी औद्योगिक पार्क की स्थापना, स्वच्छ ऊर्जा कारखानों के विकास और दमदार प्रदर्शन करने वाले लैब एवं कौशल केंद्रों की बदौलत भारत त्वरित नवाचार को बढ़ावा दे सकता है और भविष्य में अगली पीढ़ी के यातायात साधनों का पुरोधा बन सकता है। हालांकि, जैसा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नीति आयोग की इस रिपोर्ट की प्रस्तुति के अवसर पर कहा कि दो चुनौतियां भी सामने हैं। इनमें तकनीक के इस्तेमाल में तेजी लाने के साथ ही नवाचार की प्रगति बाधित किए बिना नियामकीय ढांचा तैयार करना शामिल है ताकि नागरिकों के हित सुरक्षित रहे। डेटा सुरक्षा एवं डिजिटल व्यक्तिगत डेटा (डीपीडीपी) अधिनियम में प्रस्तावित विस्तृत नियम आने के बाद डेटा गोपनीयता पर स्थिति साफ हो जाएगी। इससे एआई ढांचे से जुड़ी एक सबसे बड़ी चिंता खत्म हो सकती है। इस रिपोर्ट में मानव पूंजी से जुड़ी अहम चुनौती भी रेखांकित की गई है।

यह सच है कि एआई तकनीक कई बड़े हुनर वाली भूमिकाओं को अंजाम दे सकती है मगर यह कई नौकरियां (खासकर नियमित एवं कम कौशल वाले खंडों में) भी समाप्त कर सकती है। कार्य बल को बदलते समय के साथ आवश्यक हुनर से लैस करने, विस्थापित कामगारों को हुनरमंद बनाने (खासकर छोटे कारोबारों एवं पिछड़े क्षेत्रों में) और एआई क्षमताओं तक सबकी पहुंच सरल बनाने के लिए एक समन्वित दृष्टिकोण आवश्यक है। भारत को पूरी जवाबदेही के साथ एआई के इस्तेमाल के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ना चाहिए। संप्रभु ढांचे में निवेश, क्षेत्र विशेष डेटा प्लेटफॉर्म जैसे विनिर्माण डेटा ग्रिड का विकास, अनुकूलित एआई-कौशल तंत्र तैयार करने और समान पहुंच सुनिश्चित कर भारत न केवल आर्थिक वृद्धि तेज कर सकता है बल्कि एक टिकाऊ कारोबारी तंत्र भी तैयार कर सकता है।

(ये लेखक के अपने विचार है)

पंचांग

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 24/09/2025

सूर्योदय : 06:19 **सूर्यास्त :** 18:17 **चन्द्रोदय :** 08:17 **चन्द्रास्त :** 19:34 **शक सम्वत :** 1947 विश्वावसु **विक्रम संवत् :** 2082 कालयुक्त **अमान्ता महीना :** आश्विन **पूर्णिमांत :** आश्विन **सूर्य राशि :** कन्या **चन्द्र राशि :** तुला **पक्ष :** शुक्ल **तिथि :** तृतीया, 31:05 तक **वार :** बुधवार **द्रिक ऋतु :** शरद **द्रिक-वैदिक अयन :** दक्षिणायन

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : चित्रा, 16:12 तक
योग : इंद्र, 20:53 तक
प्रथम करण : तैतिल, 17:58 तक
द्वितिय करण : गारा, 31:05 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:35 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:59 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:14 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:15 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:15 पी एम से
अमृत काल	09:11 ए एम से
निशिता मुहूर्त	11:49 पी एम से
रवि योग	04:16 पी एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
चन्द्रवास : पश्चिम
अग्निवास : पृथ्वी

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 06:19 - 07:48	उद्वेग : 18:16 - 19:46
अमृत	: 07:48 - 09:18	शुभ : 19:46 - 21:17
काल काल वेला	: 09:18 - 10:48	अमृत : 21:17 - 22:47
शुभ	: 10:48 - 12:17	चर : 22:47 - 00:18
रोग वार वेला	: 12:17 - 13:47	रोग : 00:18 - 01:48
उद्वेग	: 13:47 - 15:17	काल : 01:48 - 03:18
चर	: 15:17 - 16:46	लाभ : 03:18 - 04:49
लाभ	: 16:46 - 18:16	उद्वेग : 04:49 - 06:19

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज तृतीया

आज कौन सा कार्य करें

तृतीया को यात्रा, शिल्प, चूड़ा कर्म, अन्नप्राशन व गृह प्रवेश शुभ है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

आश्विन, शुक्ल, तृतीया, 2082 बुधवार, 24 सितम्बर - 30 सितम्बर, 2025

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
नयी परियोजनाओं की तैयारी करना इस समय उचित नहीं है। क्रोध से बचना चाहिये। सहकर्मियों के साथ अपना व्यवहार अच्छा रखें। दूसरों की गलतियाँ निकालने के बजाय उन्हें आज अनदेखा करें।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
किसी पर भी अधिक विश्वास करने से बचें। दिखावे की प्रवृत्ति के कारण खर्च बढ़ सकते हैं। नजदीकी लोगों के प्रति व्यवहार अच्छा रखें। लोगों की सहायता करने से न चूकें, किसी से अधिक अपेक्षा न पालें।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
घर के कार्यों में आप अत्यधिक रुचि लेंगे। दोस्तों के साथ आप किसी धार्मिक स्थल पर जा सकते हैं। बड़ों की सलाह का अनुसरण करना हितकारी होगा। महत्वपूर्ण कारोबारी सौदे होने की सम्भावना बन रही है।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
व्यापार को बढ़ाने के लिये नये निवेशक ढूँढ रहे हैं तो सुखद परिणाम मिल सकते हैं। नौकरी में बदलाव का विचार बन सकता है। किसी इन्टरव्यू में सम्मिलित होते हैं तो सफलता की प्रबल सम्भावना है।

मिथुन [क, की,कु,घ, ङ,छ,के,को,ह]
आपके विचारों का लोग विरोध कर सकते हैं। जीवनसाथी के साथ वाद-विवाद न करें। पुरानी बचत का लाभ मिलेगा। शत्रुओं से आपको सावधान रहना पड़ेगा। थोड़ी घबराहट और थकान भी महसूस हो सकती है।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
थोड़ा उदास रहेंगे। जीवनसाथी के प्रति मन में अविश्वास न उत्पन्न होने दें। प्रेम-सम्बन्धों को सन्तुलित रखने का प्रयास करें। सर्वाइकल के कारण कन्धे में पीड़ा बढ़ सकती है। भारी वजन उठाने से बचें।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
आप नये कार्यों में रुचि लेंगे। प्रेम विवाह को लेकर जल्दबाजी करने से बचें। पिछले काफी समय से चली आ रही समस्या का समाधान होगा। अपने व्यवहार को संयमित और सकारात्मक बनाये रखें।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
आप अत्यन्त सकारात्मक और ऊर्जावान महसूस करेंगे। शेयर मार्केट से आपको बड़ा लाभ हो सकता है। आय में निरन्तरता बनी रहेगी। इससे मन में नयी उम्मीदों के सपने आकार लेंगे।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
पारिवारिक सम्बन्धों को अधिक महत्व देना चाहिये। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखना आवश्यक है। दाम्पत्य सम्बन्धों में तनाव होने की आशंका है। योग और व्यायाम से मन और तन स्वस्थ रहेंगे।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
कार्यक्षेत्र में अपना प्रभाव छोड़ पाने में सफल रहेंगे। व्यवसाय में कार्यशैली पर ध्यान देना होगा। सहकर्मियों पर नाराज हो सकते हैं। जिन लोगों के साथ वैचारिक भिन्नता है उनसे झगड़ा न करें।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
नये कारोबार में पूँजी निवेश कर सकते हैं। मित्रों की सलाह काम आयेगी। राजनीतिक लोगों को उच्च पद का अवसर मिल सकता है।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
धार्मिक मित्रों के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। जिम्मेदारियों के प्रति निष्ठावान रहेंगे। कब्ज और श्वसन से जुड़ी समस्या हो सकती है।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

द्रिक पंचांग समिति के मार्गदर्शन में श्री साकेत पंचांग, छोटी काशी बूंदी का निर्णय मान्य

लक्ष्मी पूजन 21 को, अमावस्या 20 को भी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। हर साल दीपावली का पर्व कार्तिक मास की अमावस्या तिथि के दिन मनाया जाता है। इस दिन सुख-समृद्धि की देवी माता लक्ष्मी और प्रथम पूज्य श्री गणेश की पूजा की जाती है। दीवाली के पर्व का महत्व इसलिए भी बहुत ज्यादा है क्योंकि इस दिन ही 14 वर्ष के बाद मर्यादा पुरुषोत्तम राम की अयोध्या वापसी हुई थी। जिसके उपलक्ष में पूरी अयोध्या को दीयों से सजाया गया था। तब से ही इस तिथि पर दीपावली का पर्व मनाया जा रहा है। आपको बता दें कि पिछले साल की तरह इस बार भी दीपावली की तारीख को लेकर लोगों में कंफ्यूजन है। कुछ 20 तो कुछ 21 अक्तूबर को मनाने की बात

कह रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय सनातन द्रिक पंचांग समिति के मार्गदर्शन में श्री साकेत पंचाग बूंदी के ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री ने बताया कि भादवा माता पंचांग नीमच, दाते पंचांग मुंबई, निर्णय सागर पंचांग नीमच और रामेश्वर पंचांग बूंदी के सहयोग से पहले फैला भ्रम पूरी तरह दूर हुआ।

साल 2025 में कब है दीपावली

ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री ने बताया कि शास्त्रानुसार, कार्तिक अमावस्या के दिन सूर्यास्त के बाद त्रिमुहूर्त में प्रदोष व्यापिनी अमावस्या को दीपावली और महालक्ष्मी पूजन करना चाहिए। संवत 2082 में, 20 अक्टूबर 2025 को कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी तिथि 15:45 बजे समाप्त हो जाएगी। अतः चतुर्दशी समाप्ति के साथ कार्तिक अमावस्या शुरू होकर अगले दिन 21 अक्टूबर मंगलवार सायं 5:55 तक व्याप्त है। प्रदोष काल में अमावस्या तिथि की व्याप्ति बहुत ही कम समय के लिए है। इसलिए दीपावली पर्व महालक्ष्मी पूजन 21 अक्टूबर 2025 को ही मनाना शास्त्र सम्मत होगा।

एनआईए जयपुर में राजस्थानी लोक संगीत संध्या ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (ICCR) द्वारा होराइजन सीरीज़ कार्यक्रम के अंतर्गत सृजन सांस्कृतिक क्लब के सहयोग से राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में राजस्थानी लोक संगीत संध्या का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसे प्रो. निशा ओझा (डीन शोध), प्रो. एच.एम.एल. मीणा (डीन यूजी), जे.पी. शर्मा (संयुक्त निदेशक), डॉ. सुमन शर्मा (अध्यक्ष, सृजन सांस्कृतिक क्लब) तथा मोहन लाल जी मीणा (प्रशासनिक अधिकारी) ने किया। उनके साथ सृजन क्लब के सदस्य डॉ. कृतिका जोशी, डॉ. ब्रह्मदत्त शर्मा और डॉ.

सोनू वर्मा भी सम्मिलित हुए। प्रसिद्ध लोक कलाकार डॉ. कमाल खान मंगनियार एवं उनके समूह ने अपने उस्ताद बड़े ग़ाज़ी खान साहब के साथ अद्भुत जुगलबंदी प्रस्तुत की। शमशू खान साहब की सारंगी, साथ ही आल्गोजा, कमायचा, ढोलक और खड़ताल की स्वर-लय ने वातावरण को पूरी तरह राजस्थानी रंगों से सराबोर कर दिया। संगीत की लहरियों में बंधे श्रोतागण मंत्रमुग्ध हो उठे और कई दर्शक लोकधुनों पर नृत्य करने लगे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राशी शर्मा (पीएचडी स्कॉलर) ने किया। अंत में अंतरराष्ट्रीय पीजी स्कॉलर डॉ. फातिमा ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ।

शिविर बना वरदान 4 भाइयों के 25 वर्षों से चल रहे भूमि विभाजन विवाद का हुआ समाधान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सेवा पर्व पखवाडा के अन्तर्गत ग्रामीण सेवा शिविर 2025 का आयोजन ग्राम पंचायत लाखना में अयोजित हुआ। लगभग 25 वर्षों से चार भाइयों कमशः तोताराम, कैलाशचन्द्र शर्मा, तीर्थनारायण व खेमराज शर्मा पिता बाबूलाल जाति ब्राह्मण ग्राम श्रीरामपुरा के मध्य भूमि के विभाजन को लेकर विवाद चल रहा था। कोर्ट में दावा भी लगा हुआ था। परन्तु केम्प की सूचना मिलने पर सभी प्रिकैम्प में उनकी समस्यो को लेकर आए। तहसीलदार सांगानेर कार्तिकेय लाटा, गिरदावर विशाल सिंघल, पटवारी रामजीलाल मीणा, की समझाइश से सभी ने विचार विर्मश कर अपनी सहमति से तकासमा करवाने हेतु स्वीकृति दी। शिविर वाले दिन जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी उपखण्ड अधिकारी सरिता शर्मा की उपस्थिति में उक्त विभाजन पत्र स्वीकृत किया जाकर नामान्तरण की कार्यवाही मौके पर ही सम्पन्न की गई। भूमि विवाद हल होने से चारों भाइयों का खुशी का ठिकाना नही रहा। सभी ने मुख्यमन्त्री भजन लाल शर्मा का इस प्रकार के जनहितकारी शिविर लगाए जाने पर धन्यवाद अर्पित किया गया।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान ने 6-दिवसीय सतत् चिकित्सकीय शिक्षा कार्यक्रम आयोजित

स्वास्थवृत्त प्रबोधिनी से सीखा आयुर्वेदिक दृष्टिकोण को आधुनिक स्वास्थ्य विज्ञान के साथ जोड़ना

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय), जयपुर के स्वास्थवृत्त एवं योग विभाग ने बीते दिनों 6-दिवसीय सतत् चिकित्सकीय शिक्षा कार्यक्रम "स्वस्थवृत्त प्रबोधिनी" का आयोजन किया। यह कार्यक्रम स्वास्थवृत्त विषय के अध्यापकों के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया था, जिसका उद्देश्य निवारक स्वास्थ्य देखभाल, आहार विज्ञान, योग तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में उनके ज्ञान एवं कौशल को समृद्ध करना था, जिससे आयुर्वेदिक दृष्टिकोण को आधुनिक स्वास्थ्य विज्ञान के साथ जोड़ा जा सके। इस अवसर पर संस्थान के कुलपति

एवं उपकुलपति ने उपस्थित जनों को संबोधित किया और निवारक स्वास्थ्य देखभाल की महत्ता तथा राष्ट्रीय व वैश्विक स्वास्थ्य में आयुर्वेद की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए।

प्रथम दिवस पर डॉ. त्रुप्ती जैन, कमलेश कुमार शर्मा ने द्वितीय दिवस पर डॉ. रवि कुमार, बी. के. द्विवेदी ने, तृतीय दिवस पर डॉ. सर्वेश अग्रवाल, डॉ. धर्मेश कुमार शर्मा, चतुर्थ दिवस सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं महामारी विज्ञान पर केन्द्रित रहा। डॉ. सारिन नमबीशन ससिकुमार एवं डॉ. शालिनी कुमारी मिश्रा ने विस्तृत सत्र प्रस्तुत किए। इसके अलावा पंचम दिवस पर डॉ. शिल्पा शंकरराव वाल्कीकर, डॉ. मनीष अरोरा, डॉ. दुर्गावती देवी, षष्ठ एवं अंतिम दिवस पर डॉ. पी. सुधाकर रेड्डी, डॉ. शिव कुमार हार्टी ने अपने व्याख्यान दिए। इन शैक्षणिक सत्रों के अतिरिक्त प्रतिदिन प्रातः योगाभ्यास भी कराया गया।

सवाईमाधोपुर से सांवरिया सेठ के लिए रोडवेज शुरू

सवाईमाधोपुर @ जागरूक जनता। सवाईमाधोपुर से चितौड़गढ़ सांवरिया सेठ जाने वाले दर्शनार्थियों के लिए खुश खबर है। सवाईमाधोपुर से चित्तौड़गढ़ जिले के सांवरिया सेठ दर्शनों को जाने वाले यात्रियों को अब परेशान नहीं होना पड़ेगा। सांवरिया सेठ जाने आने वाले यात्रियों को सवाईमाधोपुर से सीधे रोड़वेज बस की सुविधा मिलेगी। इसके लिए सवाईमाधोपुर डिपो परिसर से नवरात्रा स्थापना के साथ ही बस का संचालन भी शुरू कर दिया है। डिपो से सवाईमाधोपुर व दौसा जिले के यात्रियों के लिए सांवरिया सेठ के लिए सीधे रोडवेज बस का संचालन शुरू किया है। रोडवेज बस सवाईमाधोपुर से सुबह साढ़े 8 बजे रवाना होकर पहले लालसोट पहुंचेगी। फिर वहां से 11 बजे रवाना होकर सवा 12 बजे सवाईमाधोपुर आएगी। इसके बाद सवा 12 बजे यहां से रवाना होगी। यहां से उनियारा, देई, बूंदी, बिजोलिया, चितौड़ होते हुए सांवरिया सेठ रात करीब नौ बजे बस पहुंचेगी और दूसरे दिन सुबह साढ़े नौ बजे बस सांवरिया सेठ से रवाना होकर शाम करीब 5 बजे सवाईमाधोपुर पहुंचेगी।

संस्कृति संरक्षण की ओर सार्थक पहल, सनातन परम्परा से मनाया जन्मोत्सव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। आज के युग में जहाँ बच्चों के जन्मदिवस अक्सर पाश्चात्य परंपराओं के रूप में मनाए जाते हैं, वहीं विराज फाउंडेशन द्वारा एक अनुकरणीय पहल के रूप में वैदिक परंपरा आधारित जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। फाउंडेशन के प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी ने अपने सुपुत्रों यशस्वी तिवाडी एवं यशवर्धन तिवाडी का जन्मदिन पूर्णतः सनातन परंपराओं के अनुरूप, शुद्ध वैदिक रीति से संपन्न कराया। इस अवसर पर आचार्यजनों एवं विद्वानों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण तथा आशीर्वाद श्लोकों का पाठ किया गया, जिससे पूरे वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित नगेन्द्र वशिष्ठ ने कहा, "हमारा उद्देश्य है कि बच्चे भारतीय संस्कृति की जड़ों से जुड़ें और जीवन के हर विशेष अवसर को वैदिकता एवं आध्यात्मिकता से युक्त करें।" यह आयोजन केवल एक पारिवारिक परंपरा नहीं, बल्कि समाज के लिए एक संदेश है कि अपनी संस्कृति को आत्मसात करना ही सच्ची आधुनिकता है। इस आयोजन ने यह सिद्ध किया कि जन्मदिवस जैसे व्यक्तिगत अवसरों को भी वैदिक रीति से मनाकर, संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन में योगदान दिया जा सकता है। इससे नई पीढ़ियों में परंपरा के प्रति सम्मान और धार्मिक चेतना का संचार होता है। इस अवसर पर डॉ. आर. एन. यादव, डॉ. आर. एस. मानावत, डॉ. अजीत सिंह शेखावत, बनवारी लाल शर्मा, ओम प्रकाश रीडर, डॉ. पवन कुमार तिवाडी, कैप्टन श्रीराम शर्मा, चंद्र प्रकाश शर्मा, डॉ. सीताराम कुमावत, मक्खन लाल शर्मा, रामलाल शेरावत, मुकेश शर्मा, एवं भवानी शंकर शर्मा शामिल रहे।

10वें आयुर्वेद दिवस पर अतिथि व्याख्यान आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (मानद विश्वविद्यालय), जयपुर के आयुर योग प्रिवेन्टिव कार्डिओलोजी विभाग के द्वारा 10वें आयुर्वेद दिवस के संदर्भ में "Preventive Cardiology: An Ayurveda approach" विषय पर प्रोफेसर रमा कांत यादव, कायचिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली के द्वारा ऑनलाइन माध्यम से अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य संस्थान में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को हृदय रोगों के निवारण में आयुर्वेद के महत्व पर ज्ञानवर्धन करना था। इसमें विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एच. एम. एल. मीना, प्रोफेसर आर. के. जोशी, प्रोफेसर उदय राज सरोज, डॉ. अजय कुमार साहू, डॉ. प्रवीण सावंत, डॉ. हरीश बाकुनी, डॉ. दीप्ति बिष्ट, डॉ. अभिषेक उपाध्याय एवं अन्य संकाय सदस्य उपस्थित हुए। इस व्याख्यान का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को हृदय रोगों से बचाव हेतु किए जाने वाले उपक्रमों के विषय में ज्ञानवर्धन एवं मार्गदर्शन करना था।

मानव को पीएचडी की उपाधि

जयपुर @ जागरूक जनता। निम्स विश्वविद्यालय, राजस्थान ने पात्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के शोधार्थी मानव शर्मा को पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। डॉ. मानव शर्मा ने 'ह्यूमन कम्युनिकेशन ऑफ स्मार्टफोन यूज़र्स ए स्टडी ऑन दिल्ली यूथ"' विषय पर अपना शोधकार्य विभाग की सहआचार्य डॉ. सारिका ठाकर डीन निम्स के निर्देशन में पूरा किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर हिंदू युवा वाहिनी ने लगाए 100 से अधिक पेड़

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर हिंदू युवा वाहिनी ने सांभर तहसील में नलियासर मोड पर वृक्षारोपण किया। वृक्षारोपण में हिंदू युवा वाहिनी के प्रदेश प्रमुख केशव अरोड़ा, प्रदेश प्रचार प्रमुख नवीन भूटानी, सांभर तहसील अध्यक्ष मोहन चौधरी, रामजीवन जाट, प्रधान हनुमान, विजय सोनी, विपन आसीजा एवं कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। कार्यर म में 100 से अधिक पेड़ लगाए जिससे पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का पता चलता है। हिंदू युवा वाहिनी प्रदेश प्रमुख अरोडा ने बताया कि हिन्दु युवा वाहिनी की इस पहल के माध्यम से न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन को एक सार्थक तरीके से मनाने का भी प्रयास किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझा।

मंगलमुखी हनुमान मंदिर में नो दिवसीय नवाहपरायण रामचरितमानस पाठ शुरू

जयपुर @ जागरूक जनता। विद्याधर नगर कृष्णा कॉलोनी स्थित श्री मंगलमुखी हनुमान मंदिर आश्रम में हर वर्ष की भांति शारदीय नवरात्र घट स्थापना पर नो दिवसीय नवाहपरायण

रामचरितमानस पाठ की स्थापना की गई। पंडित रोहन शास्त्री जी ने विधिविधान पूर्वक मन्दिर मुख्य महंतश्री रामानन्द दास महाराज जी से पूजा अर्चना करवा कर पाठ की शुरुआत की। सभी वाचकों का तिलक दक्षिणा देकर अभिनंदन किया गया।

कांस्टेबल भर्ती 2025: आंसर-की पर आपत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन 25 तक

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान पुलिस में कॉन्स्टेबल भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा देने वाले उम्मीदवारों के लिए एक महत्वपूर्ण खबर है। पुलिस भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड ने परीक्षा की उत्तर कुंजी (आंसर-की) पर ऑनलाइन आपत्तियां दर्ज कराने की अंतिम तिथि को बढ़ा दिया है। उप महानिरीक्षक पुलिस भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड मनोज कुमार ने बताया कि 13 और 14 सितंबर, 2025 को आयोजित हुई लिखित परीक्षा के प्रश्न पत्रों की उत्तर कुंजी पहले ही पुलिस विभाग की आधिकारिक वेबसाइट www.police.rajasthan.gov.in पर अपलोड कर दी गई थी।

शारदीय नवरात्र : डांडिया रास

परंपरा और संस्कृति का संगम डांडिया रास-गरबा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। डांडिया रास, नवरात्रि के नौ दिनों का एक ऐसा उत्सव है जो रंगों, संगीत और नृत्य से सराबोर होता है। यह सिर्फ एक नृत्य नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक और धार्मिक आस्था का प्रतीक है। इस उत्सव में डांडिया स्टिक की खनक और पारंपरिक परिधानों की रौनक चार चाँद लगा देती है। हालाँकि, आजकल के ट्रेंड में कुछ बदलाव देखने को मिल रहे हैं, जहाँ पश्चिमी कपड़े और बॉलीवुड गानों का इस्तेमाल हो रहा है।

नविता
समाजविद्
@jagrukjanta.net

इस संदर्भ में, यह समझना ज़रूरी है कि डांडिया रास को उसकी असली पहचान के साथ बनाए रखना क्यों आवश्यक है।

क्या आप जानते हैं, डंडियां मूलतः मां शक्ति और महिषासुर के बीच हुवे उद्ध का प्रतीक भी माना जाता हैं। डांडिया माता की तलवार का प्रतिरूप समझा जाता हैं। कुछ मान्यताओं के अनुसार राधा कृष्ण के रास का भी प्रतीक हैं। कुल मिलाकर यह पर्व आस्था और संस्कृति से जुड़ा हैं इसलिए इसके नियमों का पालन करना या मर्यादित रह कर इसका आनंद उठाना चाहिए।

पारंपरिक ड्रेस कोडः संस्कृति की पहचान

डांडिया के लिए सही परिधान चुनना बेहद महत्वपूर्ण है। यह सिर्फ फैशन की बात नहीं, बल्कि हमारी परंपरा के प्रति सम्मान का प्रतीक है।

» **महिलाओं के लिएः** पारंपरिक घाघरा-चोली या चनिया-चोली सबसे उपयुक्त है। ये परिधान सिर्फ दिखने में सुंदर नहीं होते, बल्कि डांडिया करने में भी सहजता प्रदान करते हैं। साथ ही, ओढनी या दुपट्टा भी इसका एक अभिन्न अंग है, जो नृत्य के दौरान एक ख़ास सुंदरता जोड़ता है।

» **पुरुषों के लिएः** पारंपरिक केडिया और धोती या पायजामा सबसे सही विकल्प हैं। यह ड्रेस कोड न सिर्फ हमारी संस्कृति को दर्शाता है, बल्कि नृत्य के दौरान आरामदायक भी होता है।

» पारंपरिक परिधान पहनना हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है और डांडिया के उत्सव को एक धार्मिक और सांस्कृतिक रूप देता है। यह हमें पश्चिमी परिधानों से दूर रखता है, जो इस पारंपरिक नृत्य की गरिमा के अनुकूल नहीं हैं।

धार्मिक गानों पर नृत्यः आस्था का सम्मान

डांडिया रास मूल रूप से माँ दुर्गा की आराधना का एक रूप है। इसलिए, इसमें इस्तेमाल होने वाले संगीत का भी धार्मिक और आध्यात्मिक होना ज़रूरी है।

» **भजन और आरतीः** डांडिया में देवी माँ के भजन, आरती और गरबा गीतों का इस्तेमाल होना चाहिए। ये गीत न सिर्फ वातावरण में एक धार्मिक ऊर्जा भरते हैं, बल्कि भक्तों को माँ दुर्गा के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करने का अवसर भी देते हैं।

» **पारंपरिक लोकगीत :** गुजरात और राजस्थान के पारंपरिक लोकगीत भी डांडिया के लिए बहुत अच्छे हैं। ये गीत हमारी सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा हैं और नृत्य को और भी ख़ास बनाते हैं।

आजकल के बॉलीवुड और रीमिक्स गानों ने डांडिया के असली सार को कहीं खो दिया है। ये गाने भले ही तेज़ धुन वाले हों, पर ये डांडिया के आध्यात्मिक उद्देश्य को पूरा नहीं करते। डांडिया रास सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि माँ दुर्गा के सम्मान और आराधना का एक तरीका है।

डांडिया रास की पवित्रता और पारंपरिकता को बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। सही ड्रेस कोड और सिर्फ धार्मिक गानों का चुनाव करके हम इस उत्सव को उसके असली रूप में मना सकते हैं। ऐसा करने से हम अपनी संस्कृति को आने वाली पीढ़ी तक पहुँचा पाएंगे और इस अद्भुत उत्सव के धार्मिक महत्व को भी बनाए रख पाएंगे।

देवी हमारे द्वार

हमारे आसपास ही मौजूद हैं शक्ति स्वरूप देवियों के 9 रूप

नवरात्रि की शुरूआत हो गई है। इस पावन अवसर पर हमने 9 ऐसी महिलाओं को खोजा, जिन्होंने अपने कार्यों, संघर्ष और जीने के तरीके से 9 देवियों के गुणों को जीवंत कर दिया है।

बार-बार हार से भी नहीं टूटा हौसला

1

शैलपुत्री की तरह दृढ़ता की मिसाल हैं सेना में अफसर बनी **मुक्ता सिंह**

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भारतीय सेना में कुछ दिनों पहले कमिशन (नियुक्त) हुई लेफ्टिनेंट मुक्ता सिंह ने ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकेडमी (ओटीए), (बिहार) गया जी से अपनी ट्रेनिंग पूरी कर पास आउट किया। वह दृढ़ता, स्थिरता और हर कठिनाई से जूझने की क्षमता का उदाहरण भी बनी। 2 बार मेरिट आउट और 2 बार की गंभीर चोट उनके हौसले को डिगा नही पाई। ग्वालियर की रहने वाली मुक्ता बताती है, 'दो बार मेरिट आउट होने के बाद तीसरी बार आर्मी के लिए सिलेक्ट हुई, तब ऑल इंडिया में पहला रैंक हासिल किया। सितंबर 2023 में ट्रेनिंग शुरू हुई। पहले ओटीए चेन्नई में और फिर ओटीए गया जी में। ट्रेनिंग के दौरान दो बार गंभीर चोटें लगने की वजह से दो बार रेलिगेट हुई। मतलब दो बार फिर से फर्स्ट टर्म शुरू करना पड़ा।' उन्होंने बताया कि तीसरी बार फर्स्ट टर्म पूरा हुआ और फाइनल में ओवरऑल मेरिट में तीसरे नंबर पर रही और पासिंग आउट परेड में ब्रॉन्ज मेडल से सम्मानित की गई।

शैलपुत्री
दृढ़ता, स्थिरता, हर कठिनाई से जूझने की क्षमता

पापा के साथ और खुद की ज़िद से बनीं कारोबारी

4

कूष्मांडा की तरह सृजनकर्ता बन पहचान बनाई **रिचा गुप्ता** ने

कूष्मांडा
सृजनकर्ता, तेजस्विनी, अलौकिक ऊर्जा से भरपूर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

करोलबाग में रहने वाली रिचा का ब्रैंड 'अर्बन कन्या' आज ई-कॉमर्स वेबसाइट्स पर जाना-पहचाना नाम है, लेकिन वह अपने संघर्ष के दिनो को नही भूलती। रिचा ने कहा, 'मै कानपुर से हूं। मैंने 2010 में मम्मी से कहा कि मुझे दिल्ली जाना है। सब इस फैसले के खिलाफ थे। 3 दिनो तक भूखी रही। तब जाकर पापा माने और बोले कि जाओ, मुझे भरोसा है कि तुम जो करोगी, ठीक करोगी। वही भरोसा आज भी मेरी ताकत है।' दिल्ली आकर बेहद कम खर्च में काम चलाते हुए पोस्ट ग्रैजुएशन किया तो जॉब मिली। तभी अचानक लॉकडाउन होने से जॉब छूट गई। फिर हिम्मत करके पापा से कुछ पैसे मांगे और कहा कि बिजनेस करूंगी। पहले पढ़ाई पर खर्च, फिर जॉब न होना और अब 2 लाख रुपये मांगने पर फिर सब खिलाफ हो गए। रिचा ने कहा, 'पापा ने मेरा सपोर्ट किया। उन्ही पैसो से ई-कॉमर्स वेबसाइट पर सामान बेचने के लिए प्रोडक्ट रजिस्ट्रेशन कराया, जीएसटी नंबर लिया और माल खरीदा। 5-6 महीने तक तो खुद का भी खर्च नही निकला। कई राते तो भूखे पेट गुजारी। आज मेरी वेबसाइट theurbankanya.com भी है और सभी ई-कॉमर्स वेबसाइट्स पर अपना ब्रैड भी। मैंने अपनी कंपनी में कुछ लोगों को जॉब भी दी है।

अपने आत्मविश्वास से देश को बना रहीं आत्मनिर्भर

2

ब्रह्मचारिणी की तरह ज्ञान का प्रतीक हैं 5 स्वदेशी वैक्सीन बनाने में नेतृत्व करने वाली साइंटिस्ट **डॉ. अलका शर्मा**

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

ब्रह्मचारिणी
ज्ञान, समर्पण, धैर्य, आत्म अनुशासन, गहन अध्ययन वृत्ति

देश की जानी-मानी साइंटिस्ट डॉ. अलका शर्मा इस बात की मिसाल है कि ज्ञान के साथ समर्पण और आत्म अनुशासन से बड़ी उपलब्धियां हासिल की जा सकती है। उनकी पहल पर देश में कई बड़े प्रोजेक्ट शुरू हुए जैसे बायोटेक्नॉलजी रिसर्च इनोवेशन काउंसिल। ये कार्यक्रम भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़े कदम साबित हुए।

डॉ. अलका कहती है, 'महिलाएं चाहे कोई भी राह चुनें, उन्हें पूरे जुनून और आत्मविश्वास से आगे बढ़ना चाहिए क्योंकि चुनौतियां तो आएंगी ही। मेहनत का कोई शॉर्टकट नही होता।' वह बताती है कि सभी स्तरों पर फैसला लेने की प्रक्रिया में महिलाओं का नेतृत्व और उनकी मौजूदगी सबके हित में फैसले लेने में मदद करती है। सरकार लगातार जीवन के हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व को बढ़ावा दे रही है। इस वक्त डॉ. अलका डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नॉलजी (DBT), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय में बतौर सीनियर एडवाइजर और साइंटिस्ट 'एच' काम कर रही है। बायोटेक्नॉलजी इंडस्ट्री रिसर्च असिस्टेंस काउंसिल (BIRAC) की प्रबंध निदेशक रह चुकी है। कोविड-19 महामारी के समय उन्होंने मिशन कोविड सुरक्षा के तहत 5 स्वदेशी वैक्सीन विकसित करने वाले प्रोजेक्ट का नेतृत्व किया। उन्होंने साबित किया है कि देशभक्ति और विज्ञान के मेल से बदलाव संभव है।

दूसरों के दर्द दूर करके पाती हैं राहत

5

स्कंदमाता की तरह वात्सल्यभाव से मरीजों की देखभाल करती हैं **सुनीता सिंह**

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भले ही डॉक्टर इलाज की दिशा दिखाता है लेकिन हर मरीज की देखभाल, समय पर दवा देना, जख्मो पर मरहम लगाना, उनके दर्द समझना- इन सब कामो मे नर्स की सबसे बड़ी भूमिका होती है। उनके भीतर वात्सल्य भी होता है और मातृत्व का भाव भी। ऐसी ही एक सीनियर असिस्टेंट नर्सिंग सुपरिटेंडेंट है सुनीता सिंह, जो सफदरजंग अस्पताल के गायनी वॉर्ड में तैनात है। वह कहती है, 'बच्चा कोई भी हो, मुझे अपने ही बच्चे जैसा लगता है। उसे बीमार या पीड़ा में देखकर रहा नही जाता। पूरी कोशिश करती हूं कि उसका दर्द कम कर सकूं। जैसे मां अपने बच्चे का दर्द बिना कहे समझ लेती है, वैसे ही मै इन महिलाओ व नवजात बच्चो की सांसो और धड़कनो से उनकी परेशानी समझ जाती हूं। मैने खुद इस पेशे को चुना है और बीमार मरीजो की सेवा कर, उनकी जान बचाकर मुझे बहुत खुशी मिलती है। मातृत्व सिर्फ जन्म देने तक सीमित नही है बल्कि पालन-पोषण और हर परिस्थिति मे साथ निभाना भी मातृत्व है। यही भूमिका निभाने की कोशिश करती हूं। पिछले 14 साल मैने मेटरनिटी वॉर्ड में ड्यूटी की है। जब किसी नवजात बच्चे की जान खतरे में होती है तो कुछ ही मिनटो में लाइफ सेविंग के लिए तमाम कोशिश करनी होती है। जब हम सफल होते है तो जो राहत मिलती है उसे शब्दो में बयां नही किया जा सकता। हर बीमार की जान बचाना मुझे अपना काम लगता है। हाल ही में एक आंटी की मदद की। वह वेंटिलेटर पर चली गई तो मै डर गई, लेकिन 15 दिन बाद ठीक होकर अस्पताल से घर लौटी तो बेहद खुशी हुई।'

स्कंदमाता
वात्सल्य, मातृत्व, पालन पोषण करने वाली

मौसम की असल तस्वीर को सामने लाने का हुनर

कालरात्रि की तरह अज्ञानता को खत्म कर जागरूक करने की मिसाल हैं **किरण पांडे**

7

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

किरण पांडे आपदाओं से जूझ रही दुनिया को बचाने के काम में जुटी हैं। बीते 30 बरसों से वह पर्यावरण और प्रदूषण के लिए जागरूकता फैलाने की लगातार कोशिश कर रही हैं।

सरकारी आंकड़ों को इस्तेमाल कर आसान शब्दों में समझाते हुए वह अपनी रिपोर्ट से बताती है कि भारत में आपदाएं जलवायु परिवर्तन की वजह से कैसे बदल रही हैं, कहां आपदाएं ज्यादा असर डाल रही हैं, कैसी प्लानिंग होने चाहिए आदि। कई अंतरराष्ट्रीय फोरम में अपनी इन्ही बात को वह ऐसे पुख्ता तरीके से रख चुकी है कि जलवायु परिवर्तन को लेकर काफी जागरूकता आई है। वह पर्यावरण की वजह से बढ़ रही परेशानियों को दूर करने और लोगों को साफ हवा में सांस दिलाने का काम कर रही हैं।

किरण सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (CEC) के एनवायरनमेंट रिसोर्सेज में प्रोग्राम डायरेक्टर है। उन्होंने बताया कि इस फील्ड में चुनौतियां बहुत हैं। 5-7 साल पहले डेटा जुटाना मुश्किल था। अब डेटा तो है पर इतना जटिल कि उसे समझना कई बार वैज्ञानिकों के लिए भी मुश्किल होता है। लेकिन उनका काम है उसे आम आदमी को समझाना। इसलिए उन्होंने मौसमी आपदाओं और भारत के पर्यावरण पर पहली इंटरेक्टिव एटलस तैयार की है। साल 2022 में यह तैयार हुई और लगातार अपटेड होती है।

किरण को पेरू के लीमा में COP20 (कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज) और हैदराबाद में जियो स्पेशल वर्ल्ड फोरम में आमंत्रित किया गया था। वह भारत के पर्यावरण पर आने वाली CEC की सालाना रिपोर्ट 'स्टेट ऑफ इंडियाज एनवायरनमेंट इन फिगर्स' की लेखिका भी है।

कालरात्रि
नकारात्मकता, अज्ञानता, बुराइयों को खत्म करने वाली

अपराधियों को सिखा रहीं सबक

3

चंद्रघंटा की तरह वीरता और निर्भीकता की मिसाल हैं वर्दी का फर्ज़ निभा रहीं **मुक्ता शर्मा**

चंद्रघंटा
वीर, साहसी, निर्भीक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

दिल्ली पुलिस की नारी शक्ति अपराधियों को सबक सिखा रही है। इन्ही में से एक जांबाज है सब इंस्पेक्टर मुक्ता शर्मा। घर की जिम्मेदारियो के साथ-साथ वह वर्दी का फर्ज भी निभा रही है। लाजपत नगर, अशोक विहार, मॉडल टाउन थाने में रहते हुए अपराधियों में डर पैदा करने वाली एसआई मुक्ता फिलहाल नॉर्थ वेस्ट जिले में IT सेल की इंचार्ज है। 2014 में दिल्ली पुलिस में आई मुक्ता व्यस्तता के बीच अकेले रह रहे पिता की भी देखभाल का दायित्व निभा रही है। वह इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन में बीटेक और एमटेक की वजह से आधुनिक पुलिसिंग में अहम योगदान दे रही हैं। मुक्ता बताती हैं कि उनके जीवन में 'मां' का अहम रोल रहा। यही वजह है कि पूरे नवरात्र व्रत रहती हैं। वह कहती है, 'पढ़ाई से लेकर टेस्ट, इंटरव्यू, फिजिकल- सभी स्टेज पर मां साथ रही। 2020 में उनका निधन हो गया।'

मुक्ता शर्मा का नाम अपराधियों में खौफ का पर्याय है। क्राइम इन्वेस्टिगेशन में उनकी शानदार परफॉर्मेंस को देखकर 2018 में उन्हें एक रेप केस की जांच सौंपी गई। आरोपी अमेरिकी था। मुक्ता ने दिल्ली से ही उस पर लगातार सर्विलांस रखा। आखिरकार उसे एयरपोर्ट उतरते ही पकड़ लाई। इसी तरह के कई केस में मुक्ता की अहम भूमिका रही है। उन्हें फेशियल रिकग्निशन सिस्टम (FRS) की मदद से अपराधियों के चेहरे, हुलिया पहचानने में महारत हासिल है। अपराध कंट्रोल करने के लिए झुग्गियों में सोशल ऐक्टिविटी भी कराती हैं। साइबर क्राइम की जांच और डिजिटल फॉरेंसिक्स का शानदार अनुभव है। पूरा पुलिस डिपार्टमेंट उनकी मेहनत और साहस का लोहा मानता है।

ऐसी जज बनीं जो है निडर और ईमानदार

कात्यायनी की तरह न्याय की रक्षा करने का गुण रखती हैं रिटायर्ड जज **डॉ. कामिनी लॉ**

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कहते है कि कानून अंधा होता है। पर एक ऐसी जज (रिटायर्ड) है, जिनके मुताबिक आंख बंद करके कानून लागू किया जाए तो वह न्याय नही होता। मानवता को न्याय मानने वाली इस रिटायर्ड जज का नाम है- डॉ. कामिनी लॉ। वह जज जिन्होंने जातीय हिंसा से जुड़े हरियाणा के मिर्चपुर कांड मामले मे महज 9 महीने के भीतर अपना फैसला सुनाया था। डॉ. कामिनी ही थी, जिन्होने अपने एक फैसले में रेप जैसे घिनौने अपराधों को दोहराने वालों के लिए सजा के रूप मे केमिकल कास्ट्रेशन (रसायन के जरिए नपुंसक बनाना) का सुझाव देकर पितृसत्तात्मक समाज पर गहरी चोट की। साल 2024 में वह डिस्ट्रिक्ट जूडिशरी से रिटायर हुई। अब सीनियर एडवोकेट के रूप में दिल्ली हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस कर रही है।

वह कहती है, 'मैंने सोचा नही था कि मै जज बनूंगी। घर में सब वकील थे। मैंने एलएलएम और लॉ मे ही पीएचडी की। 1992 मे जज बन गई। यही सीखा कि तभी जज बन सकते है, जब ईमानदार और बोल्ड हो। हमारे शास्त्रो मे कहा जाता है कि सामने खड़े व्यक्ति में भगवान दिखता है। ऐसा ही मै सोचती थी कि एक इंसान, जो हमारे सामने खड़ा है, हमारे हाथ में अपना जीवन, अपनी आजादी सब सौंप देता है। जब हम उसका फैसला करते है तो यह एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है।' वह गर्व से खुद को एक पशु प्रेमी बताती हैं। काम से घर लौटने के बाद गली के कुत्तो को खाना खिलाती है।

6

कात्यायनी
न्याय दिलाने वाली, अन्याय से रक्षा करने वाली

कला के मंच पर दर्शाती हैं देवी के सभी रूप

महागौरी की तरह ज्ञान और करुणा से भरपूर हैं कथक कलाकारा **कविता ठाकुर**

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कथक कलाकारा कविता ठाकुर मानती है कि हर स्त्री के भीतर देवी के सभी रूप विद्यमान रहते है और जरूरत पड़ने पर सामने आते है। नवरात्रि का संदेश भी यही है। वह कहती है, 'हालांकि, एक कलाकारा होने के नाते महागौरी मेरे लिए खास है। महागौरी हमारे दुख हरने वाली और स्थिरता देने वाली है। लेकिन इसका अर्थ यह नही कि स्त्री हमेशा एक ही रूप में रहे। अगर हालात कठिन हों तो वही स्त्री चंडी या कालरात्रि भी बन सकती है।'

8

महागौरी
पवित्रता, ज्ञान, शांति और करुणा की प्रतीक

जीवन में संतुलन की अहमियत को कविता गहराई से समझाती है। उनके अनुसार, अगर हम केवल कोमल रहेंगे तो लोग शोषण करेंगे और अगर हमेशा गुस्से में रहेंगे तो संबंध नही टिकेंगे। इसलिए हालात के अनुसार हर रूप अपनाना आना चाहिए।

कला के मंच पर भी कविता ठाकुर अपनी प्रस्तुति नवदुर्गा से देवी के सभी रूपों की भाव-भंगिमा दर्शाती रही है। वह बताती है, 'मेरी इस प्रस्तुति में हर देवी का अलग स्वरूप चेहरे और भावों से दिखाया गया है। महागौरी की शांति और चमक अलग है तो कालरात्रि का विकराल रूप बिलकुल अलग। केवल हाथ की मुद्राओं से देवी का रूप नही दिखता, चेहरे के भाव ही असली पहचान देते है। मंच पर कलाकार तेजी से एक रूप से दूसरे रूप में ढलते हैं। इसमें मेरी सोलो परफॉर्मेंस है और मेरे शिष्यों की ग्रुप परफॉर्मेंस भी।'

समाज निर्माण के लिए जीवन बनाया देवतुल्य

सिद्धिदात्री की तरह ज्ञानचक्षु खोल रहीं हैं आध्यात्मिक गुरु **राजयोगिनी बीके आशा**

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

महज 9 साल की उम्र से आध्यात्मिक जीवन जी रही राजयोगिनी बीके आशा को आज लोग आध्यात्मिक गुरु और वक्ता के रूप में जानते है।

वह ब्रह्माकुमारीज ओम शांति रिट्रीट सेंटर की डायरेक्टर, मुख्यालय माउंट आबू की मैनेजिंग कमिटी की सदस्या भी है। साल 1972 में देश के प्रतिष्ठित कॉलेज में लेक्चरर का पद त्याग कर वह मूल्यपरक समाज के निर्माण के लिए ब्रह्माकुमारीज से जुड़ी। वह बताती है, 'यह आभास मुझे हो गया था कि इस मनुष्य जीवन को साधारण तरीके से नही जीना। खाना, पीना, सोना तो पशु भी करते है। खुद का जीवन देवतुल्य बनाना है। समाज को बेहतर तभी बना सकते है जब पहले खुद को बेहतर बना लें। समय की पुकार है कि स्वयं के जीवन को शक्तिशाली, शुद्ध और सात्विक बनाएं, जिससे मौजूदा जीवन ही स्वर्गमय बन जाए। काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, आलस्य, ईर्ष्या, द्वेष, वैमनस्य, घृणा ही हमारे सबसे बड़े शत्रु है। इनसे खुद को मुक्त करके ही हम खुद को पवित्र बना सकते है। परमात्मा से अपने बुद्धि के तार जोड़ना ही सारी समस्याओं का समाधान हो सकता है। राजयोग यही राह खोलता है। वास्तव में मनोकामना सिद्ध तभी होती है, जब एकाग्रता होती है। मन में भटकाव नही होता और अच्छे विचार होते हैं। अच्छे विचार तभी आएंगे जब हम अच्छे लोगों को याद करेंगे।'

9

सिद्धिदात्री
दैवीय शक्तियों को धारण करने वाली, ज्ञानचक्षु खोलने वाली

हिन्दुस्तान जिंक के सहयोग से आयोजित दूसरी वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन को अभूतपूर्व सफलता

27 राज्यों के 7 हजार धावकों ने लगाई मैराथन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। विश्व की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड जिंक निर्माता और टॉप 5 सिल्वर उत्पादकों में से एक, हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा उदयपुर में दूसरे वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन को अभूतपूर्व सफलता मिली। #RunForZeroHunger पहल के तहत हुए इस मैराथन में 27 राज्यों और दुनिया भर से 7 हजार धावकों ने भाग लिया। यह मैराथन स्वास्थ्य और नेक उद्देश्य का बेहतरीन संगम था। भारत की सबसे खूबसूरत एवं एआईएमएस द्वारा प्रमाणित वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन के साथ उदयपुर में रविवार की सुबह उत्साह और उमंग से भरपूर थी। अल सवेरे जब इस मैराथन में शामिल होने वाले धावकों का जन समूह इसके उद्गम स्थल फिल्ड क्लब के लिए निकला तो शहर में हर तरफ दौड़ की ही चर्चा थी।

मैराथन को उदयपुर सांसद मन्ना लाल रावत, विधायक उदयपुर शहर ताराचंद जैन, विधायक उदयपुर ग्रामीण फूल सिंह मीणा, जिला कलेक्टर नामित मेहता, हिन्दुस्तान जिंक के सीईओ अरुण मिश्रा, आयुक्त नगर निगम अभिषेक खन्ना, मुख्य वन संरक्षक सुनील छिद्रि, सीओओ किशोर एस, सीएफओ संदीप मोदी, हेड सीएसआर वेदान्ता अनुपम निधि, हेड कॉरपोरेट कम्युनिकेशन मैत्रेयी सांखला, हेड एक्सटर्नल अफेयर्स सौरव डिंडा, सचिव फील्ड क्लब उदयपुर उमेश मनवानी एवं एबीसीआई के मनोज सोनी ने झण्डी दिखा कर मैराथन के प्रतिभागियों को रवाना किया। मैराथन में तीन श्रेणियां 21 किमी, 10 किमी और 5 किमी, में सभी उम्र और फिटनेस स्तर के धावकों को भाग लेने का मौका दिया। इस आयोजन की सबसे बड़ी बात यह थी कि समाज के हर तबके के लोगों ने इसमें हिस्सा लिया। महाराणा प्रताप सीनियर सिटीजन ग्रुप के बुजुर्ग, दिव्यांग एथलीट, बच्चे, महिला फिटनेस ग्रुप्स, शी सर्कल इंडिया और डब्लूबीसी और सिक्योर मीटर्स, आरकेपीट और बीसीआई जैसी कंपनियों के प्रोफेशनल भी इस मैराथन का हिस्सा बने। इन सब लोगों की मौजूदगी ने इस आयोजन में उत्साह और समावेशिता को बढ़ाया। कई प्रतिभागियों ने इस आयोजन को राष्ट्रीय फिट इंडिया मूवमेंट के रूप में अपनाया। हमारे प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों को फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज का मंत्र देकर, रोजमर्रा की जिंदगी में फिटनेस को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया। उदयपुर के लोग सुबह-सुबह धावकों का हौसला बढ़ाने के लिए सड़कों पर उत्साहित करते नज़र आए। धावकों ने फतेह सागर झील और अरावली की पहाड़ियों के साथ, महाराणा प्रताप स्मारक, नीमच माता मंदिर और हरे-भरे बगीचों वाले सुंदर मार्ग का आनंद लिया। इस मैराथन ने उदयपुर की समृद्ध जिंक विरासत का उत्सव मनाया।

आत्मनिर्भरता के लिए भेड़ और बकरी पालन में मिले व्यावसायिक अवसर-तोमर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

टोंक। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर में 16 से 22 सितंबर तक आयोजित सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम "वैज्ञानिक भेड़ एवं बकरी पालन से उद्यमिता विकास" का समापन हुआ। इस अवसर पर केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर के निदेशक डॉ. अरुण कुमार तोमर ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने आधुनिक युग में आत्मनिर्भरता के लिए भेड़ और बकरी पालन के व्यावसायिक अवसरों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षण के दौरान अविकानगर संस्थान के डॉ. सत्यवीर सिंह डांगी ने दुम्बा भेड़ पालन पर और डॉ. अरविंद सोनी ने मांस व दूध के मूल्यवर्धन एवं व्यावसायिक संभावनाओं पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की निदेशक (कृषि प्रसार) डॉ. नीना शरीन और कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. पी.के. यादव ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम का कुशल संचालन प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. शंकर लाल खीचड़ ने किया।

माधव विशेष विद्यालय में सक्षम बच्चों हेतु विधिक जागृति के लिए खेलकूद प्रतियोगिता

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

आबूरोड। विधिक सेवा प्राधिकरण सिरोही के तत्वावधान में माधव विश्वविद्यालय के माधव विशेष विद्यालय में "विधिक जागृति हेतु खेलकूद प्रतियोगिता" का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता विशेष रूप से सक्षम बच्चों के लिए रखी गई है, जिसका उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास, प्रतिस्पर्धा की भावना और विधिक अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

इस प्रतियोगिता का आयोजन चेतना अभियान 2025 के तहत किया जाएगा, जो 18 से 20 सितम्बर 2025 तक चलेगा।

तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में बच्चों के लिए विविध खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित होंगी। प्रतियोगिताओं में कबड्डी, बेसबॉल शतरंज, रूड़ो, केरम, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, पेंटिंग और गायन शामिल हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों को अपनी क्षमताओं और रचनात्मकता को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। आयोजकों का कहना है कि इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों में विधिक जागरूकता को बढ़ावा देना है ताकि वे अपने अधिकारों को जान सकें और समाज में समान अवसर प्राप्त कर सकें। विशेष रूप से सक्षम बच्चों के लिए यह आयोजन न केवल मनोरंजन और खेल का माध्यम बनेगा, बल्कि उनके जीवन कौशल, आत्मनिर्भरता और सामाजिक समावेश को भी मजबूत करेगा। माधव विशेष विद्यालय के प्रिंसिपल पवन फौजदार ने बताया की माधव विश्वविद्यालय प्रबंधन और विशेष विद्यालय के शिक्षकों ने तैयारी को अंतिम रूप दे दिया है। तैयारियो को लेकर अधिष्ठाता डॉ. जितेंद्र तिवारी , घनश्याम कुशवाहा, मनोज कुमार नागर, तौफीक पठान खान, कृष्णवीर व रविकांत शर्मा सहित सहित सभी संकाय सदस्य उत्साह के साथ जुटे हुए हैं। तीन दिवसीय इस आयोजन में बड़ी संख्या में विशेष सक्षम बच्चे भाग लेंगे । विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं के साथ-साथ विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे।

राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के चुनाव सम्पन्न, तेजपाल ज़िला सभाध्यक्ष नियुक्त

चित्तौडगढ़ @ जागरूक जनता। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय जिला चित्तौड़गढ़ का एक दिवसीय जिला महासमिति अधिवेशन और जिला निर्वाचन राउप्रावि गाड़ीलोहार में निर्वाचन अधिकारी कैलाश चंद्र सुथार, चुनाव पर्यवेक्षक नवल शर्मा, रमेश चंद्र पुरोहित और डॉ हीरा लाल लुहार के सानिध्य में संपन्न हुए, जिसमें दूसरी बार पूरण मल लौहार जिलाध्यक्ष, तेजपाल सिंह शक्तावत जिला सभाध्यक्ष और कैलाश चंद्र मालू जिला मंत्री निर्वाचित हुए। इस अवसर पर प्रदेश प्रशिक्षण प्रकोष्ठ सदस्य मदन लाल जोशी, प्रदेश अभिलेखागार प्रकोष्ठ सह संयोजक हेमंत शर्मा, भाविप जिलाध्यक्ष महेश चंद्र नुवाल, संतोष कुमार विश्नोई, विनोद कुमार शर्मा, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारीशंभू लाल सोमानी, अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सत्यनारायण गर्ग मंचासीन रहे। कार्यकारिणी में वरिष्ठ उपाध्यक्ष रवींद्र सिंह सिसोदिया, उपाध्यक्ष हमीर सिंह राजपूत, उपाध्यक्ष महिला राजी कुमावत, नाथू लाल डांगी, बीरबल सिंह, शंकर लाल भांभी, सचिव भंवर सिंह गौड़, सत्यनारायण भट्ट, नरपत सिंह चैहान, बसंती सुथार, कैलाश चंद्र मालू, अतिरिक्त जिला मंत्री राजेंद्र कुमार गगरानी, दीपिका झाला, कोषाध्यक्ष सागर मल पटवा एवं सदस्य अध्यापक सुशील कुमार लड्डा, मुकेश त्रिपाठी, गोपाल लाल व्यास गोपाल लाल टेलर, आशीष कुमार गुप्ता, चावंड सिंह चुंडावत, रमेश चंद्र मेनारिया, मांगी लाल सुथार निर्वाचित हुए। इस अवसर पर संगठन के आजीवन सदस्य, सभी उपशाखाओं से जिला महासमिति सदस्य, अध्यक्ष, मंत्री, महिला मंत्री सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अलवर @ जागरूक जनता। इस वर्ष मानसून की मेहरबानी प्रदेश पर जमकर हुई है। नदीया, तालाब, बांध सब छलक पड़े हैं। अलवर जिले के पिनान के पास ग्राम टोड़ानागर में एक खेत से बाजरे की बालियों को का लगा ढेर। किसान इन्द्राज गुर्जर ने बताया कि इन्हें साफ करके बारदाने में भरा जा रहा है। @ दिलीप शर्मा

न्युवोको विस्टास कॉर्प. लिमिटेड के चित्तौड़ सीमेंट प्लांट ने मनाया विश्व ओजोन दिवस

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड, क्षमता के हिसाब से भारत के पांचवें सबसे बड़े सीमेंट समूह ने न्युवोको के चित्तौड़ सीमेंट प्लांट और राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सहयोग से ग्राम उंखलिया के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में विश्व ओजोन दिवस का आयोजन नीरज आचार्य, यूनिट हेड, चित्तौड़ सीमेंट प्लांट के मार्गदर्शन में किया। इसका मुख्य उद्देश्य आस-पास के गांवों के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को रोचक और सार्थक तरीके से जोड़ते हुए ओजोन और उसके महत्व के बारे में जागरूक करना था। इस जागरूकता कार्यक्रम के दौरान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर प्लांट हेड आचार्य ने कहा कि न्युवोको में, हम यह मानते हैं कि वास्तविक प्रगति अगली पीढ़ी में जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना जगाने में ही है। विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर, हमारे संयंत्र के आसपास के गांवों के छात्रों के साथ मिलकर इस दिवस को मनाने का अवसर मिला, जिसमें हमने युवा पीढ़ी को पर्यावरण संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूक किया। इस प्रकार की पहलें न केवल ज्ञान का प्रसार करती हैं, अपितु हमारे समुदायों के लिए एक स्वस्थ और टिकाऊ भविष्य का निर्माण भी सुनिश्चित करती हैं। कार्यक्रम के दौरान संयंत्र के पर्यावरण प्रमुख द्वारा ओजोन की उपस्थिति और उसके महत्व के बारे में चर्चा की, साथ ही यह भी बताया कि हमारे वायुमंडल में मौजूद ओजोन परत का क्षरण किस प्रकार हो रहा है और हम किस तरह के कदम उठाकर इसे रोक सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित प्लांट की टीम, सभी छात्र-छात्राओं और शिक्षकों द्वारा ओजोन की सुरक्षा के लिए ली गई। इस अवसर पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार भी दिया गया। इसके साथ ही राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा विजेता छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम में सीएसआर प्रमुख सुधीर कुमार, पर्यावरण प्रमुख भारती पुरोहित, यशवंत पुष्करणा और उनकी टीम ने सक्रिय भागीदारी के साथ कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न किया।

एमपी बिरला सीमेंट का वार्षिक डीलर सम्मेलन सम्पन्न

चित्तौडगढ़ @ जागरूक जनता। एमपी बिड़ला सीमेंट का वार्षिक डीलर सम्मेलन बुनियाद ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर इंदौर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस आयोजन में राजस्थान से 500 से अधिक चैनल भागीदारों ने हिस्सा लिया, जिनमें से लगभग 100 को पिछले वित्तीय वर्ष के प्रदर्शन के आधार पर विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। इस मौके पर, डीलरों का मनोरंजन इंडियन आइडल फेम ऑल गर्ल्स बॉम्बफायर डांस क्रू और जाने-माने गायक नीरज श्रीधर के मनमोहक प्रदर्शनों से किया गया। कार्यक्रम में कंपनी के मुख्य विपणन अधिकारी कालीदास प्रमाणिक और अन्य वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति जैसे सुवादीप घोष मजूमदार नेशनल हेड-मार्केटिंग, राकेश झा, नेशनल-सेल्स अकाउंट्स हेड, हेमंत झा नॉन-ट्रेड सेल्स हेड और गौहर अली स्टेट हेड-राजस्थान की गरिमामयी उपस्थिति रही।

श्री कालभैरव देव स्थल पर नवरात्रि महोत्सव प्रारंभ

चित्तौडगढ़ @ जागरूक जनता। बोजुन्दा स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर में अति प्राचीन श्री कालभैरव (श्री काला जी बावजी) मंदिर पर सोमवार से नवरात्रि महोत्सव का शुभारंभ हुआ। इस दौरान 1 अक्टूबर तक प्रतिदिन सुबह-शाम महाआरती एवं धार्मिक अनुष्ठान होंगे। श्रद्धालुओं का मानना है कि यहां आने से हर मनोकामना पूरी होती है और कष्टों से मुक्ति मिलती है।

वन्दना वजीरानी 'वुमेन लीडर ऑफ द ईयर' गोवा में सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड की प्रबंध निदेशक वन्दना वजीरानी को राष्ट्रीय स्तर पर 'वुमेन लीडर ऑफ द ईयर' अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान गोवा स्थित होटल होली डे इन में आयोजित एफसीबीए अवॉर्ड सेरेमनी 2025 के दौरान प्रदान किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि केन्द्रीय सहकारिता राज्य मंत्री सुभाष शिरोडकर, अध्यक्ष अम्ब्रेला ज्योतिन्द्र भाई मेहता, भारतीय रिजर्व बैंक निदेशक सतीष मराठे, बैंकिंग फ्रण्टियर के एमडी बाबू नागर एवं ग्रुप एडिटर मनोज अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। बैंकिंग फ्रण्टियर द्वारा प्रत्येक वर्ष देशभर के 1530 अरबन को-ऑपरेटिव बैंक सहित केंद्रीय एवं राज्य स्तरीय सहकारी बैंकों से प्राप्त नॉमिनेशन के आधार पर यह पुरस्कार दिए जाते हैं। सम्मान प्राप्त करने पर वन्दना वजीरानी ने इसे अपनी मां ज्योति हासीजा को समर्पित करते हुए कहा कि "बैंक ने सदैव सहकारिता की भावना के साथ आधुनिक तकनीक अपनाकर ग्राहकों को श्रेष्ठतम सेवाएं प्रदान करने का प्रयास किया है, और यही हमारी असली पूंजी है।" विशेष सत्र में उन्होंने को-ऑपरेटिव बैंकिंग क्षेत्र में डिजिटलीकरण और बैंक की आय बढ़ाने के नये स्त्रोतों पर अपने विचार साझा किए तथा विकासशील लीडरशिप की दिशा में प्रेरक सुझाव प्रस्तुत किए।

महाप्रबंधक प्रशासन जे.पी. जोशी ने बताया कि यह सम्मान चित्तौड़गढ़ ही नहीं बल्कि पूरे राजस्थान के सहकारिता क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। बैंक अध्यक्ष डॉ. आई.एम. सेठिया, उपाध्यक्ष शिवनारायण मानधना, संचालक मंडल एवं स्टाफ ने इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया।

आधार कार्ड अपडेट शुल्क में संशोधन, 1 अक्टूबर 2025 से नई दरें लागू

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने आधार कार्ड में डेमोग्राफी एवं बायोमैट्रिक अपडेट हेतु नई दरें निर्धारित की हैं, जो आगामी 1 अक्टूबर 2025 से 30 सितम्बर 2028 तक प्रभावी रहेंगी। सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के उपनिदेशक (एसीपी) प्रवीण जैन ने बताया कि आधार में डेमोग्राफी अपडेट (नाम, मोबाइल नंबर, पता एवं ईमेल) करवाने पर 75 शुल्क देय होगा। बायोमैट्रिक अपडेट (फोटो, फिंगरप्रिंट आदि) पर 125 शुल्क देय होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि नया आधार कार्ड निशुल्क रहेगा।

शहरी सेवा शिविर में शहर के विकास व आमजन के कार्यों को लेकर पालिका आयुक्त शिवपाल सिंह को सौपा पत्र

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

माउण्ट आबू। राजस्थान सरकार की ओर से चलाए जा रहे शहरी सेवा शिविर को लेकर भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल आबू पर्वत द्वारा शहर के विकास कार्य एवं समस्याओं को लेकर उपखण्ड अधिकारी एवं पालिका आयुक्त शिवपाल सिंह राजपुरोहित को अलग अलग पत्र सौंपे गए हैं जिसमें भाजपा द्वारा सभी 25 वार्ड में नियुक्त वार्ड प्रभारी द्वारा आमजन की समस्या जानकर मंडल अध्यक्ष को पत्र दिए गए जिसमें सम्पूर्ण शहर की सुरक्षा दीवार को सही करवाने , मुख्य मार्गो सहित वार्डो में स्ट्रीट लाइट लगाने, क्षतिग्रस्त रोड, उद्यानों व चौराहों का सौंदर्यीकरण, पट्टे, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना का लाभ, 11 केवी हाइटेंशन लाइन को आबादी क्षेत्र व आवासीय भवनों पर से हटाने, सिवरेज, फेरो कवर, सफाई अभियान, रोड के साइड में इंटरलॉक टाइल सहित सभी विकास कार्य किए जाएंगे । आबू पर्वत से जुड़ी मुख्य समस्या रिपेयरिंग रेनोवेशन की पत्रावलियों को लेकर भी जिलाध्यक्ष रक्षा भंडारी व विधायक समाराम गरासिया ने मंडल अध्यक्ष अक्षय चौहान के साथ उपखंड अधिकारी से चर्चा की जिसके बाद मंडल प्रवक्ता सुनील आचार्य ने बताया कि रिपेयरिंग रेनोवेशन की फाइल में स्वीकृत मानचित्र की अनिवार्यता को भी समाप्त किया टोकन जो सप्ताह में दो दिन दिए जाते थे उसमें राहत प्रदान करते हुए टोकन को प्रत्येक कार्य दिवस पर दिए जाएंगे व सभी फाइलों में डीटीपी रिपोर्ट की अनिवार्यता को भी खत्म कर आवश्यक होने पर ही डीटीपी की रिपोर्ट ली जाएगी।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर में उत्साहपूर्वक मनाया गया दसवाँ आयुर्वेद दिवस

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। डॉ. एस.आर. राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद में दसवाँ आयुर्वेद दिवस अत्यंत उत्साह और पारंपरिक गरिमा के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर स्वस्थवृत्त एवं योग विभाग तथा स्नातक छात्रसंघ के संयुक्त तत्वावधान में पोस्टर प्रेजेंटेशन एवं स्लोगन मेकिंग जैसी रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने आयुर्वेद के मूल सिद्धांतों और आधुनिक समाज में इसकी प्रासंगिकता को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत किया। कार्यर्₹ म की शुरुआत एक भव्य आयुर्वेद जागरूकता रैली से हुई, जो भरद्वाज भवन से प्रारंभ होकर संजीवनी आयुर्वेद चिकित्सालय तक निकाली गई। इस रैली में विद्यार्थियों ने हाथों में बैनर और पोस्टर लिए हुए समाज में स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश फैलाया। नशा मुक्ति यूनिट प्रभारी प्रो. रितु कपूर के निर्देशन में "नशा मुक्त युवा विकसित भारत" की परिकल्पना को सार्थक बनाने हेतु युवाओं को नशे से दूर रहने का आह्वान किया गया। इस गरिमामयी आयोजन की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एम.के. आसेरी ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में आयुर्वेद के वैश्विक प्रसार, नवाचार और अनुसंधान की आवश्यकता पर बल देते हुए छात्रों को परंपरा और आधुनिक विज्ञान के समन्वय से आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यर्₹ म का प्रतिवेदन पी जी आई ए के प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आयुर्वेद दिवस पर दिए गए प्रेरक संदेश का वाचन प्रोफेसर गोविंद सहाय शुक्ला ने किया। आयुर्वेद संकाय अधिष्ठाता प्रो. महेंद्र शर्मा ने कार्यक्रम में उपस्थित समस्त अतिथियों, शिक्षकों और छात्रों के प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर पंचकर्म विभाग द्वारा आयोजित शारदीय पंचकर्म चिकित्सा शिविर का भी उद्घाटन किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. ज्ञानप्रकाश शर्मा ने बताया कि यह शिविर आमजन में ऋतुचर्या व पंचकर्म की उपयोगिता को जागरूक करने हेतु प्रारंभ किया गया है। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. खुशबू कुमावत ने किया।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

फोन .... पिन कोड

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कच्ची बस्ती के बच्चों के साथ देखी मोदी की डॉक्यूमेंट्री

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज कच्ची बस्ती के बच्चो के साथ आत्मीय भाव के साथ मुलाक़ात की। दिया कुमारी को अपने पास देखकर कच्ची बस्ती के बच्चो के चेहरे पर मुस्कान देखने को मिली। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने ट्राइटन माल में बच्ची के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के बचपन पर बनी डॉक्यूमेंट्री भी देखी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के बचपन पर बनी डॉक्यूमेंट्री में संदेश दिया की अगर हम अपने जीवन को दूसरी की खुशी के लिए समर्पित करते है तो उसका कितना अच्छा परिणाम निकल कर आता है। बच्चो ने भी डॉक्यूमेंट्री देखकर इस शिक्षा को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लिया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के बचपन से जुड़ी यह डॉक्यूमेंट्री सिर्फ़ बच्चों के लिए ही नहीं, बल्कि हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। इसमें जो संदेश दिया गया है–दूसरों की खुशी के लिए काम करना ही सबसे बड़ा सुख है–उसे हमें अपने जीवन में जरूर अपनाना चाहिए।" उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश और प्रदेश के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, और हम सबको भी उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चलना चाहिए।

कल से दौड़ेगी जोधपुर-दिल्ली कैंट वन्दे भारत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। बहुप्रतीक्षित सेमी हाई स्पीड वन्दे भारत एक्सप्रेस 2 दिन बाद पटरी पर आ जाएगी। इससे पहले सोमवार को वन्दे भारत ट्रेन का जोधपुर से नावां सिटी तक स्पीड ट्रायल किया गया। जिसमें 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रायल हुआ। रेलवे प्रबंधन ने बताया कि रेलवे प्रबंधन की ओर से ट्रेन सुबह 5.25 बजे रवाना हुई और तीन घंटे बाद करीब 8.25 बजे नावां सिटी पहुंच गई। इसी प्रकार वापसी में करीब 25 मिनट बाद ट्रेन सुबह 8.50 बजे जोधपुर के लिए रवाना हो गई, जो 11.50 बजे जोधपुर पहुंच गई। इस दौरान, ट्रेन का स्टाफ साथ था। जोधपुर से दिल्ली कैंट चलने वाली वन्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन 2 दिन बाद 25 सितंबर को होगा। उद्घाटन फेरे को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बांसवाड़ा प्रवास के दौरान वर्चुअली हरी झण्डी दिखाकर रवाना करेंगे। यह ट्रेन जयपुर होते हुए दिल्ली कैंट जाएगी। ट्रेन जोधपुर से दिल्ली कैंट का सफर 8 घंटे में पूरा करेगी। वहीं चार घंटे में यह ट्रेन जयपुर पहुंचा देगी। ट्रेन के नियमित संचालन का शेड्यूल अब जारी होगा।

स्कूलों में पढ़ाई जाएगी देश की राष्ट्रीय उपलब्धियां

प्रदेश के सभी सरकारी व निजी स्कूलों में अब विद्यार्थियों को भारत की राष्ट्रीय उपलब्धियों और प्रगति की जानकारी पढ़ाई जाएगी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश के सभी सरकारी व निजी स्कूलों में अब विद्यार्थियों को भारत की राष्ट्रीय उपलब्धियों व प्रगति की जानकारी पढ़ाई जाएगी। इसके लिए एनसीईआरटी (नई दिल्ली) द्वारा विशेष शैक्षणिक मॉड्यूल विकसित किया गया है। राज्य के प्रारंभिक शिक्षा निदेशक के निर्देशानुसार इसे सभी स्कूलों में लागू किया जा रहा है।

ऑनलाइन होगा मॉड्यूल

यह मॉड्यूल ऑनलाइन माध्यम से प्रदेश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में साझा किया जाएगा। शिक्षक इसका उपयोग कर कक्षा में विद्यार्थियों को भारत की विकास यात्रा और उपलब्धियों के बारे में पढ़ाएंगे।

बच्चों को इन विषयों की मिलेगी जानकारी

- इस मॉड्यूल के तहत विद्यार्थियों को कई महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराया जाएगा, जिनमें शामिल हैं
- भारत का विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना
- भारत का लोकतांत्रिक ढांचा
- डिजिटल इंडिया अभियान की सफलता
- कोविड-19 प्रबंधन की रणनीति
- एशियन गेम्स में भारत की उपलब्धियां
- स्वच्छ भारत मिशन की सफलता
- भारत की विरासत और विकास यात्रा

शिक्षा विभाग का मानना है कि इस पहल से विद्यार्थियों में देश की प्रगति और उपलब्धियों के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और राष्ट्रीय गर्व की भावना विकसित होगी।

संपादक : **ज्ञानेन्द्र मिश्रा** मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। **संपादकीय कार्यालय** : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

पिण्डवाड़ा क्षेत्र कि पहाड़ियों का ऐतिहासिक अस्तित्व संकट में, ग्रामीणों का गुस्सा उबाल पर राष्ट्रपति के नाम सौंपा कलेक्टर को ज्ञापन

पिण्डवाड़ा क्षेत्र में प्रस्तावित खनन परियोजना को एक स्वर में निरस्त करने कि उठाई मांग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही। सिरोही जिले की पिण्डवाड़ा तहसील में प्रस्तावित चुना पत्थर खनन परियोजना का विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। मंगलवार को क्षेत्र के सैकड़ों ग्रामीणों ने सिरोही जिला मुख्यालय पहुंचकर जिला कलेक्टर को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और केंद्रीय पर्यावरण मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने साफ चेतावनी दी कि "किसी भी हाल में पिण्डवाड़ा की ऐतिहासिक पहाड़ियों को खनन की भेंट नहीं चढ़ने देंगे।" ग्रामीणों का कहना है कि इस परियोजना से क्षेत्र की पर्यावरणीय और सामाजिक, आर्थिक और भौतिक संरचना को गंभीर खतरा है। पहाड़ खत्म हो जाएंगे, खेती-बाड़ी चौपट हो जाएगी और आदिवासी समाज उजड़ जाएगा।

आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा

पिण्डवाड़ा की अरावली श्रृंखला और आसपास के पहाड़ आदिवासी बहुल गांवों में खनन परियोजना को लेकर लगातार विरोध जारी है। मंगलवार को क्षेत्र से सैकड़ों ग्रामीण सिरोही पहुंचे। कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते समय ग्रामीणों ने जमकर नारेबाजी की और परियोजना को तुरंत निरस्त करने की मांग की। वाटेरा सरपंच सविता देवी ने कहा कि "जनता एकजुट है, इस परियोजना को हर हाल में रद्द करवाया जाएगा। सरकार को क्षेत्र के भविष्य से खिलवाड़ करने की इजाजत नहीं देंगे।"

पूर्व में हुई जनसुनवाई बनी विरोध का मंच

गत इसी हीने में 19 सितम्बर को भीमाना पंचायत भवन में आयोजित पर्यावरणीय जनसुनवाई ग्रामीणों के तीखे विरोध का केंद्र बन गई थी। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जनसुनवाई की सूचना छिपाई गई और छोटे कक्ष में आयोजन किया गया। भारी विरोध के बाद प्रशासन को बैठक बाहर टेबल-कुर्सियों पर करनी पड़ी। ग्रामीणों ने उस दौरान 100 से अधिक लिखित आपत्तियाँ दर्ज कराते हुए परियोजना को जनविरोधी बताया था।

ग्रामीणों की मुख्य मांगें नहीं मानी तो होगा उग्र आंदोलन

- » पिण्डवाड़ा क्षेत्र में सभी खनन स्वीकृतियाँ रद्द की जाएं।
- » अरावली पर्वतमाला को "खनन-मुक्त क्षेत्र" घोषित किया जाए।
- » पेसा Act, फारेस्ट राइट्स एक्ट और EIA Notification 2006 का सख्ती से पालन हो।
- » नियम विरुद्ध जनसुनवाई कराने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए।

खनन परियोजना से भविष्य में संभावित खतरे

- » ग्रामीणों ने आशंका जताई कि खनन शुरू होने पर खेत-खलिहान और जंगल नष्ट होंगे।
- » धूल प्रदूषण से दमा, कैंसर और श्वसन रोग बढ़ेंगे।
- » भूजल स्तर नीचे जाएगा।
- » तेंदुआ, सियार, खरगोश और पक्षियों का प्राकृतिक आवास खत्म होगा। आदिवासी समाज की कृषि और पशुपालन आधारित आजीविका पूरी तरह प्रभावित होगी।

सिरोही प्रशासन से गंभीर सवाल.?

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि नेताओं के दबाव में कार्य हो रहे हैं और जनसुनवाई महज औपचारिकता भर थी। ग्रामीणों की लिखित आपत्तियों को गंभीरता से नहीं लिया गया।

ग्रामीणों का ऐलान जल्द होगा उग्र आंदोलन

ग्रामीण प्रतिनिधियों ने साफ कहा कि "किसी भी हालत में खनन नहीं होने देंगे। जरूरत पड़ी तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।" जिसमे हजारों कि संख्या में क्षेत्र वासी सड़को पर उतरेंगे और इस चुना पत्थर खनन परियोजना को किसी भी हाल में शुरू नहीं होने देंगे।

इनकी मौजूदगी रही

ज्ञापन सौंपने के दौरान वाटेरा सरपंच सविता देवी, समाज सेवी तुषार पुरोहित, पंचायत समिति सदस्य बलवंत चौधरी भारजा, भाजपा नेता रतन लाल गरासिया, कांग्रेस नेता राकेश देवासी, शिवसेना नेता भरत राजपुरोहित, राजू जणवा, राजू चौधरी, रमेश कुमार घांची, खेता राम गमेती, मेवा बाई, गजारामे घांची, पदमाराम घांची, राजू घांची, उड़ता सूरज संगठन से भरत चौधरी सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

गौमाता सेवक समिति परिवार ने की सनातन धर्म बोर्ड गठन की मांग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। गोमाता सेवक समिति परिवार एवं सभी गौसेवकों गौभक्तों ने आश्विन मास पितृपक्ष अमावस्या एवं नवरात्रि महापर्व पर 52 वां गोसेवा कार्यक्रम श्री वीर तेजाजी गोधाम (गौशाला) नेवटा महापुरा जयपुर में आयोजित किया गया शुरुआत में गोपूत्र ज्योतिर्विद पंडित मानस संजय मिश्र ने सूर्य देव की साक्षी में भगवान् श्री गणेश, विष्णु राधाकृष्ण पूजन, त्रिगुणात्मक शक्ति कन्या पूजन, वेदलक्षणा गौमाता पूजन, सर्वपितृ तर्पण, पूजन, गोमाता पूजन के साथ सामुहिक हनुमान चालीसा का पाठ एवं दिव्य गोमाता कृपा आरती के बाद श्री गौशाला के नियमित गौसेवकों नये जुड़े गौसेवकों को दुपट्टा दक्षिणा प्रदान कर अभिनंदन सम्मान किया गया इसके बाद सभी गौसेवकों ने मिलकर गोमाता की पूजा एवं सेवा करके गुड़ केले व हरे चारे का भोग लगाकर गोशाला में वृक्षारोपण कर पेड़ों पर पंछियों के लिए पानी के परिंडे व दाना पात्र लगायें, कीड़ी नगरा, एवं अन्य सेवाएं प्रदान करने के साथ गोशाला में सभी भक्तों ने अपार हर्षोल्लास पूर्वक संकीर्तन किया साथ ही इस अवसर पर गोपूत्र ज्योतिर्विद पंडित मानस संजय मिश्र एवं कमल प्रजापत ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी गौसेवकों एवं श्रद्धालुओं को गौमाता को राष्टमाता देश को हिन्दू राष्ट एवं सनातन धर्म बोर्ड घोषित करवाने का अखण्ड संकल्प दिलाकर शासन प्रशासन सरकार से गौरक्षा गोचर ओरण भूमि बचाने की मांग की। साथ ही गोपुत्र ज्योतिर्विद पंडित मानस संजय मिश्र ने कन्या बचाओ कन्या पढ़ाओ अभियान का अखण्ड संकल्प दिलाकर कन्या पूजन किया इस अवसर पर गौमाता सेवक समिति परिवार की तरफ से श्री वीर तेजाजी गोधाम में 22 मण सुखा चारा, 501 पुली हरा चारा, गुड़ के कार्टून, चार तगारी दो फावड़े, 5 पेड़ वृक्षारोपण, पंछीयो के लिए 11 दाना पात्र एवं परिण्डे, कीड़ी नगरा एवं श्री वीर तेजाजी गोधाम के विकास के लिए 11 हजार रूपए का चैक नेवटा सरपंच पवन भारद्वाज को प्रदान किया। समापन पर सामुहिक प्रसादी ग्रहण कर उपस्थित सभी गौसेवकों एवं श्रद्धालुओं का आभार प्रकट किया!

इस अवसर पर भंवर, रामचंद्र, विनोद, प्रजापत, मनीष गुप्ता, जगदीश मोदी, मनीष, मोहन, सतेन्द्र कुमार एवं समस्त गणमान्य नेवटा महापुरा निवासी आमजन उपस्थित थे साधुवाद जय गोमाता जय गोपाल!

सहकारी समितियों की सदस्यता के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सहकार सदस्यता अभियान के अंतर्गत आमजन सहकारी समितियों की सदस्यता के लिए ऑनलाइन आवेदन भी कर सकते हैं। इसके लिए सहकारिता विभाग द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग से समन्वय कर एसएसओ आईडी के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करने की प्रक्रिया शुरु कर दी गई है। ऑनलाइन सदस्यता आवेदन पत्र का लिंक राज सहकार पोर्टल https://rajsahakar.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। साथ ही, पैक्स व्यवस्थापक या केन्द्रीय सहकारी बैंक की शाखा में सम्पर्क कर भी लिंक प्राप्त किया जा सकता है। सदस्यता ग्रहण करने के इच्छुक व्यक्ति लिंक पर जाकर एसएसओ आईडी के माध्यम से अथवा सीधे ही एसएसओ आईडी पर लॉगिन कर स्वयं ही ऑनलाइन सदस्यता फॉर्म भर सकते हैं। इसके लिए केवल जनाधार नम्बर की आवश्यकता होगी। सहकारिता के खुली सदस्यता के सिद्धान्त के अंतर्गत अठारह वर्ष या अधिक आयु का कोई भी व्यक्ति जो संबंधित सहकारी समिति के कार्यक्षेत्र का निवासी हो, ऑनलाइन आवेदन कर समिति की सदस्यता ग्रहण कर सकता है। उल्लेखनीय है कि राज्य में 2 से 15 अक्टूबर तक सहकार सदस्यता अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान के उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को सहकारिता से जोड़कर उन्हें योजनाओं का लाभ प्रदान किया जाना है। अभियान के अंतर्गत युवाओं और महिलाओं को सहकारी समितियों से जोड़ने पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है।

माधव विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

आबूरोड। माधव विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन शनिवार को हुआ। सम्मेलन का समापन मुख्य अतिथि श्री करण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के पूर्व निदेशक शोध डॉ. ए.के. गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में हुआ। सम्मेलन का मुख्य विषय "बेहतर सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं पर्यावरण हेतु कृषि, मानविकी और संबद्ध विज्ञानों में वैज्ञानिक नवाचार" रखा गया। सम्मेलन के समापन समारोह में मुख्य अतिथि डॉ एके गुप्ता ने कहा कि यह सम्मेलन विद्यार्थियों को नए विचारों और शोध की दिशा में प्रेरित करता है। समारोह में सुरेश ज्ञान विहार विश्वविद्यालय, जयपुर के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर के प्रमुख डॉ. एल.एस. धायल ने कहा कि नवीनीकरण पर आधारित शोध ने हमेशा से कृषि को नई दिशा दी है और यह क्रम आगे भी जारी रहेगा। वहीं सुरेश ज्ञान विहार विश्वविद्यालय, जयपुर के संयुक्त निदेशक रामसिंह गौरा ने कहा कि भारतीय कृषि शिक्षा अब आत्मनिर्भर है और हमारे शोधों से पूरी दुनिया लाभान्वित हो रही है। रजिस्ट्रार डॉ. भावेश कुमावत ने अपने संबोधन में कहा कि यह सम्मेलन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक अवसर है जिसने अकादमिक जगत, उद्योग और शोधकर्ताओं को एक साझा मंच पर लाकर वास्तविक समाधान खोजने की दिशा में काम किया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का लक्ष्य हमेशा समाज और किसानों की भलाई के लिए शिक्षा और शोध को उपयोगी बनाना है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि भविष्य में ऐसे कार्यक्रम और अधिक व्यापक रूप से आयोजित किए जाएंगे ताकि नवाचार और ज्ञान सीधे किसानों और समाज तक पहुँच सके। वाइटल बायोटेक के निदेशक डॉ. जितेंद्र मेहता ने कहा कि ऐसे सम्मेलन केवल विचार-विमर्श का मंच नहीं होते, बल्कि यह शोध को व्यावहारिक रूप में किसानों तक पहुँचाने की दिशा में ठोस कदम साबित होते हैं।

शेखावाटी फाउंडेशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की साधारण सभा आयोजित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। शेखावाटी फाउंडेशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की साधारण सभा कांस्टीट्यूशन क्लब, जयपुर (राजस्थान विधानसभा के पीछे) में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद गोयल ने की। उन्होंने कहा कि शेखावाटी की हवेलियों, बावड़ियों और संस्कृति के संरक्षण के लिए फाउंडेशन निरन्तर कार्य करेगा तथा शीघ्र ही जयपुर में प्रवासी शेखावाटी बंधुओं का भव्य आयोजन किया जाएगा, जिसमें देश-विदेश के उद्योगपतियों को आमंत्रित कर उन्हें अपनी मातृभूमि से जोड़ा जाएगा।

इस अवसर पर राष्ट्रीय संरक्षक सुभाष जोशी ने कहा कि प्रवासी राजस्थान सम्मेलन के पश्चात शेखावाटी फाउंडेशन अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपना विस्तार करेगा और शीघ्र ही दुबई तथा लंदन में अपनी शाखाएँ खोलकर वहाँ भव्य आयोजन करेगा।

राष्ट्रीय महामंत्री गजानंद शर्मा ने बताया कि संगठन अब देशव्यापी स्तर पर विस्तार करेगा। प्रदेश इकाई का गठन हो चुका है तथा झुंझुनू, सीकर और चूरू जिलों में कार्यकारिणी एवं मुख्यालय स्थापित किए जाएंगे। साथ ही बंगाल, नॉर्थ ईस्ट में गुवाहाटी, गुजरात और महाराष्ट्र तेलंगाना दिल्ली सहित अन्य महानगरों में भी चैप्टर खोले जाएंगे। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर वर्षा-रोपण, निःशुल्क चिकित्सा शिविर और शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे तथा शहीद परिवारों के योग्य बच्चों की उच्च शिक्षा का व्यय फाउंडेशन द्वारा उठाया जाएगा। राष्ट्रीय प्रभारी पशुपति कुमार शर्मा एवं गिरधारी लाल शर्मा ने बताया कि संगठन भाषा, संस्कृति और लोक परम्पराओं को बढ़ावा देकर लोगों को उनकी धरोहर और माटी से जोड़ेगा तथा प्रवासी भाइयों से आग्रह करेगा कि वे उद्योग-धंधों और निवेश द्वारा अधिक से अधिक रोजगार सृजन करें। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पराक्रम राठौर ने कहा कि फाउंडेशन शीघ्र ही एक संपर्क समिति गठित करेगा और शेखावाटी में एयरपोर्ट की स्थापना के लिए राजस्थान एवं भारत सरकार तक प्रभावी ढंग से यह माँग पहुंचाई जाएगी। कार्यकारी सदस्य विजय तिवारी ने कहा कि निकट भविष्य में दिल्ली और हैदराबाद चैप्टर में भव्य आयोजन होंगे तथा 10 दिसम्बर को होने वाले "राजस्थान राइजिंग" कार्यक्रम में भी शेखावाटी फाउंडेशन सक्रिय भागीदारी करेगा। राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष सुशील गुप्ता ने घोषणा की कि 2013 के बाद शहीद हुए सैनिकों की सूची शीघ्र ही सैनिक कल्याण बोर्ड एवं जेडीए को उपलब्ध करवाई जाएगी। सूची में नाम दर्ज होते ही अमर जवान ज्योति पर भव्य आयोजन कर शहीद परिवारों और वीरांगनाओं का सम्मान किया जाएगा। राष्ट्रीय संयोजक हरि शर्मा ने बताया कि सभा में यह निर्णय लिया गया कि फाउंडेशन शीघ्र ही मुख्यमंत्री, राज्यपाल और पर्यटन मंत्री से भेंट कर अपना विजन और ज्ञापन सौंपेगा। बैठक में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष प्रकाश अग्रवाल, जाकिर भाटी, राष्ट्रीय सचिव आशीष सराफ , जय सिंह भगासरा प्रवीण बलवदा , राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य अनुराग शर्मा, संजय जोशी, एस.पी. यादव, श्रवण कालेर पंकज शर्मा, कैलाश अग्रवाल उपस्थित रहे । सभा के अंत में राष्ट्रीय सचिव आशीष सराफ ने आये हुये सभी पदाधिकारी को धन्यवाद दिया और मीटिंग का समापन हुआ। सभा में संगठन के विस्तार, आगामी आयोजनों और शेखावाटी के सर्वांगीण विकास पर व्यापक चर्चा हुई तथा सर्वसम्मति से इसे जन-जन का अभियान बनाने का संकल्प लिया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (सार्थी)

माधव विश्वविद्यालय में ऑनलाइन शिक्षा बनाम पारंपरिक कक्षा पर वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

आबूरोड। माधव विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (सार्थी) गतिविधियों के अंतर्गत बुधवार को "ऑनलाइन शिक्षा पारंपरिक कक्षा की जगह ले सकती है" विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में विभिन्न संकायों के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. मो. फरमान अली ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के चांसलर हिम्मत सिंह देवल, प्रेसिडेंट डॉ राजीव माथुर व रजिस्ट्रार डॉ भावेश कुमावत ने किया। निर्णायक मंडल में प्रोफेसर और विषय विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों के तर्कों को ध्यानपूर्वक सुना। प्रतियोगिता में दो समूह बनाए गए ङ्क एक पक्ष ने ऑनलाइन शिक्षा के लाभ गिनाए तो वहीं विपक्ष ने पारंपरिक कक्षा की उपयोगिता पर जोर दिया।

पक्ष में बोलने वाले छात्रों ने कहा कि ऑनलाइन शिक्षा समय और स्थान की सीमाओं से मुक्त है तथा तकनीक की मदद से विद्यार्थी देश-विदेश के श्रेष्ठ शिक्षकों से सीधे जुड़ सकते हैं। इससे शिक्षा अधिक सुलभ और लचीली हो जाती है। वहीं, विपक्ष में बोलने वाले छात्रों ने बताया कि पारंपरिक कक्षा में शिक्षक-विद्यार्थी का सीधा संवाद होता है, जिससे न केवल विषय की गहरी समझ विकसित होती है बल्कि अनुशासन, मूल्य और सामाजिकता जैसे गुण भी छात्र सीखते हैं।

वाद-विवाद में छात्रों ने अपने विचार तथ्यों और उदाहरणों के साथ प्रस्तुत किए, जिससे कार्यक्रम रोचक और ज्ञानवर्धक बना। निर्णायकों ने कहा कि ऑनलाइन शिक्षा सहायक तो हो सकती है लेकिन यह पारंपरिक कक्षा का पूर्ण विकल्प नहीं बन सकती।

इस मौके पर अकादमिक अधिष्ठाता महेंद्र सिंह परमार, शिक्षा संकाय के अधिष्ठाता डॉ जितेन्द्र तिवाड़ी, विधि संकाय की अधिष्ठाता डॉ. डी.के. उपाध्याय, परीक्षा नियंत्रक डॉ मुकेश महावर, ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट निदेशक अतुल मिश्रा, एनएसएस निदेशक डॉक्टर देवेंद्र मुजाल्दा, वाणिज्य संख्या के विभागाध्यक्ष गंगा सिंह चौहान , डॉ अफसर अली व डॉ संदीप सहित विभिन्न संकाय सदस्य मौजूद रहे।

कब जिंदगी थम गई पता ही नहीं

पूनम चन्द्रा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

हम उसे खोज रहे हैं जो लापता ही नहीं
वाह रे! इंसान खुद को खुद का पता ही नहीं
हम रोज रहते हैं सफर में
पर हमसफर का पता ही नहीं
****
बहुत सुने थे लैना-मजनूं के किस्से
वो शख्स जब आया था मेरे सामने
दिल मुस्कुराया और आंखें खिल उठी
कब मुहब्बत हो गई पता ही नहीं
****
शहर में मचा था शोर सहमे हुए थे लोग
नीरो बांसुरी बजा रहा था जल रहा था रोम
मैं पलट रहा था इतिहास के पन्नें
कब शामो सहर हो गई पता ही नहीं
****
दुनिया में वो भी अकेला था और मैं भी
फिर किसी एक मोड़ पर बिछड़े दोनों ही
दीवारों-दर को उसका रहा इंतजार
फिर कब जिंदगी थम गई
पता ही नहीं

जिला प्रभारी मंत्री डॉ. मंजू बाघमार आज चित्तौड़गढ़ में

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। सार्वजनिक निर्माण विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा बाल अधिकारिता (राज्य मंत्री) एवं जिला प्रभारी मंत्री डॉ. मंजू बाघमार 24 सितंबर को चित्तौड़गढ़ का दौरा करेंगी। प्रभारी मंत्री व्यापारियों के साथ संवाद करेंगे एवं संवाद के दौरान जीएसटी बचत के पोस्टर का विमोचन भी करेंगी। अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) प्रभा गौतम ने बताया कि मंत्री डॉ. बाघमार प्रातः 11 चित्तौड़गढ़ आगमन के उपरांत व्यापारी मंडल पदाधिकारियों के साथ सरकार द्वारा जीएसटी में दी गई छूट के संबंध में भी विचार-विमर्श करेंगी। तत्पश्चात ग्रामीण विकास अभिकरण सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा करेंगी।

पिण्डवाड़ा की जनसुनवाई में कानूनी उल्लंघनों का मुद्दा गरमाया, लोगों ने खनन माइंस निरस्त करने कि उठाई मांग

सिरोही में खनन परियोजना के प्रस्ताव पर फूटा जनाक्रोश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही @ तुषार पुरोहित। पिण्डवाड़ा तहसील क्षेत्र में प्रस्तावित चूना पत्थर खनन परियोजना को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा शुक्रवार को भीमाना पंचायत भवन में हुई जनसुनवाई के दौरान फूट पड़ा। वाटेरा, रोहिड़ा, भारजा, तरुंगी, डोलीफली, पिपेला और खाराडोली सहित कई गांवों से पहुंचे ग्रामीणों ने एकजुट होकर साफ शब्दों में कहा कि यह परियोजना खेतखलिहान, जंगल और जलस्रोत के साथ खिलवाड़ है। किसी भी कीमत पर खनन मंजूरी स्वीकार नहीं की जाएगी।

कंपनी का प्रस्ताव, ग्रामीणों के सवाल

मैसर्स कमलेश मेटा कास्ट प्रा. लि. ने 800.99 हेक्टेयर क्षेत्र में खनन का प्रस्ताव रखा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जनसुनवाई की सूचना छुपाई गई, जो पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना (EIA Notification 2006) का सीधा उल्लंघन है। पंचायतों की सहमति नहीं ली गई, जिससे यह प्रस्ताव पेसा कानून 1996 और संविधानिक प्रावधानों की भी अनदेखी करता है।

पंचायतों का साफ़ रुख

भीमाना सरपंच हेमेंद्र सिंह ने स्पष्ट कहा कि पंचायत ने कोई एनओसी जारी नहीं की है। भारजा सरपंच पुखराज प्रजापत का कहना था कि पंचायत और ग्रामीणों की सहमति के बिना खनन संभव ही नहीं। वाटेरा सरपंच सविता देवी ने चेतावनी दी कि जनता एकजुट है और परियोजना को हर हाल में रद्द कराया जाएगा।

प्रशासन की सफाई

जनसुनवाई के दौरान एडीएम राजेश गोयल ने ग्रामीणों की आपत्तियां सुनीं और भरोसा दिलाया कि सभी बिंदुओं की रिपोर्ट उच्च स्तर पर भेजी जाएगी। हालांकि ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि प्रशासन नेताओं के दबाव में है और खानापूर्ति करने के लिए सुनवाई को पंचायत भवन के छोटे कक्ष में आयोजित करने का प्रयास किया गया। विरोध के बाद ही इसे बाहर आयोजित किया गया।

खनन से संभावित खतरे

ग्रामीणों ने आशंका जताई कि खनन से धूलकणों के कारण दमा, कैंसर और सांस संबंधी बीमारियां बढ़ेंगी। खेतों में धूल जमने से उत्पादन घटेगा और जमीन बंजर होगी। भूजल स्तर नीचे जाएगा। जंगल और वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास नष्ट होगा। वहीं स्थानीय पहाड़ियां, जो ग्रामीणों की आस्था और परंपरा से जुड़ी हैं, खनन से बर्बाद हो जाएंगी।

आदिवासी समाज पर असर

पिण्डवाड़ा क्षेत्र ट्राइबल सब-प्लान (TSP) इलाके में आता है। यहां के आदिवासी परिवार खेती और पशुपालन पर निर्भर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि खनन उनकी आजीविका छीन लेगा और यह पेसा कानून 1996 के साथ ही संविधान के अनुच्छेद 21, 48-A और 51-(g) का उल्लंघन होगा।

उठे गंभीर सवाल

ग्रामीणों ने सीधे सवाल खड़े किए कि क्या सरकार पेसा कानून और संविधान की अनदेखी कर निजी कंपनी को लाभ पहुंचाएगी? क्या सूचना छुपाकर की गई यह जनसुनवाई वैध मानी जाएगी? क्या प्रशासन ग्रामीणों की लिखित आपत्तियों को दरकिनार करेगा? और सबसे अहम–क्या पिण्डवाड़ा क्षेत्र को खनन-मुक्त घोषित किया जाएगा? पिण्डवाड़ा तहसील में प्रस्तावित खनन परियोजना को लेकर हाल ही में आयोजित पर्यावरणीय जनसुनवाई ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि निजी कंपनी को लाभ पहुंचाने के लिए पेसा कानून और संविधान के प्रावधानों की अनदेखी की जा रही है। क्या जिला प्रशासन और सरकार ग्रामीणों की लिखित आपत्तियों को दरकिनार करेंगे? क्या EIA अधिसूचना 2006 का पालन किए बिना यह जनसुनवाई वैध मानी जा सकती है? क्या पिण्डवाड़ा को भविष्य में खनन-मुक्त क्षेत्र घोषित किया जाएगा? क्या सूचना दबाकर निजी कंपनी को लाभ पहुंचाने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई होगी? ग्रामीणों का कहना है कि उनकी पारंपरिक जलधाराएं, जंगल और कृषि भूमि इस परियोजना से गंभीर खतरे में हैं। वे चेतावनी दे रहे हैं कि उनकी आपत्तियों को नजरअंदाज किया गया तो वे विरोध जारी रखेंगे। यह जनसुनवाई फिर से विकास परियोजनाओं और स्थानीय जीवन व पर्यावरण संरक्षण के बीच टकराव को उजागर कर गई है। अब सबकी निगाहें प्रशासन और सरकार की प्रतिक्रिया पर टिकी है।

विद्यार्थियों ने कलेक्शन्स में दर्शायी भारतीय परंपरा की झलक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुंबई में हुए ग्लोबल इंडिया कोट्योर वीक में एनआईएफ ग्लोबल जयपुर, कमला पोद्दार इंस्टीट्यूट्स के डिजाइनर स्टूडेंट्स ने अपने आकर्षक कलेक्शन्स को रैंप पर शोकेस किए। विद्यार्थियों ने पारंपरिक कला, संस्कृति और आधुनिक फैशन को जोड़ते हुए अपनी रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया। इस शोकेस की खासियत यह रही कि इसमें ब्रोकैड, चंदेरी और बूटी वर्क को अलग-अलग रंगों में खूबसूरती से दर्शाया गया। कलेक्शन की प्रेरणा किशनगढ़ की बनी-ठनी और गंगा घाटों की शांति से ली गई, जिसे विद्यार्थियों ने अपनी क्रिएटिविटी से समकालीन अंदाज़ में पिरोया। विद्यार्थियों के डिजाइन न सिर्फ भारतीय परंपरा की झलक दिखाते हैं, बल्कि आधुनिक फैशन ट्रेंड्स से भी मेल खाते हैं। रैंप पर पेश की गई इन कलेक्शन्स को खूब सराहना मिली और दर्शकों ने विद्यार्थियों के हुनर को विशेष प्रशंसा दी। ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर इस तरह का अवसर विद्यार्थियों के लिए न सिर्फ सीखने और बढ़ने का मौका है बल्कि यह जयपुर शहर और संस्थान के लिए भी गर्व का विषय है।

जयपुर से इंदौर, देहरादून और उदयपुर के लिए नई फ्लाइट शुरू

जयपुर। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से इंडिगो एयरलाइन कंपनी ने सोमवार से इंदौर (मध्यप्रदेश), देहरादून (उत्तराखंड) और उदयपुर (राजस्थान) के लिए नई फ्लाइट शुरू की है। इससे यात्रियों को राहत मिलेगी। एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार इंदौर की फ्लाइट रोजाना सुबह 5:10 बजे रवाना होगी। इसके शुरू होने से इंदौर के लिए सीधी दो फ्लाइट हो गई है। इसी प्रकार देहरादून के लिए शाम 6:30 बजे फ्लाइट जयपुर से रवाना होगी। ऐसे ही उदयपुर के लिए भी जयपुर से नई फ्लाइट शाम 5:30 उडान भरेगी। इसके अलावा स्पाइसजेट भी गुवाहाटी के लिए नवंबर महीने के पहले सप्ताह में नई फ्लाइट शुरू करने की तैयारी में है।

बताते चलें, जुलाई से सितंबर तक मानसून के दौरान हवाई यात्रा सुस्त रहती है। एयरलाइंस इस अवधि को लीन सीजन मानती हैं, जब किराए कम होते हैं। लेकिन यात्रियों की संख्या खास नहीं बढ़ती। जयपुर एयरपोर्ट पर भी पिछले तीन महीनों से यही हालात थे। लेकिन नवरात्रि शुरू होते ही तस्वीर बदल गई है। जयपुर एयरपोर्ट से इंदौर, उदयपुर और देहरादून के लिए फ्लाइट शुरू हुई।

पहले जयपुर से उदयपुर, देहरादून और इंदौर के लिए रोजाना एक-एक फ्लाइट थी। अब दो-दो उड़ानें मिलेंगी। फेस्टिव सीजन की शुरुआत के साथ यात्रियों की मांग बढ़ी है और किरायों में भी उछाल देखने को मिल रहा है। दुर्गा पूजा की वजह से कोलकाता की फ्लाइट महंगी हुई है, वहीं गरबा रास के चलते अहमदाबाद जाने वालों की संख्या बढ़ने से वहां का किराया भी ऊपर गया है।

'स्वच्छता ही सेवा अभियान' का शुभारंभ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पीपाड़ शहर। स्वायत्त शासन विभाग जयपुर के निर्देशानुसार स्वच्छ भारत मिशन के तहत चलाए जा रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान का शुभारंभ नगर पालिका द्वारा 17 सितम्बर को किया गया।

''स्वच्छोत्सव'' थीम पर आधारित इस अभियान की औपचारिक शुरुआत सार्वजनिक स्थानों पर विशेष सफाई अभियान से की गई, जिसके माध्यम से शहरवासियों को स्वच्छ वातावरण बनाने का संकल्प दिलाया गया। अभियान के अंतर्गत पालिका द्वारा सफाई संबंधी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। लंबे समय से पड़े पुराने सीटीयू प्वाइंट को समाप्त कर शहर में साफ-सफाई को नया स्वरूप देने का निर्णय लिया गया है।

- » विशेष आयोजन नगर पालिका द्वारा 25 सितम्बर 2025 को सांपासर तालाब पर एक घंटा, एक साथ, एक दिन श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें आमजन की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।
- » इसी दिन सफाई मित्रों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाया जाएगा।
- » अभियान के तहत मंगलवार न्यू प्रिंस स्कूल में स्वच्छता संबंधी प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा स्वच्छता रैली निकालकर जनजागरूकता संदेश दिया गया।
- » अधिशाषी अधिकारी रामकिशोर ने बताया कि आगामी 2 अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाई मित्रों को सम्मानित किया जाएगा।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में आयोजित हुआ शिविर

एनआईए में निःशुल्क पंचकर्म शिविर आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर के पंचकर्म विभाग द्वारा एक निःशुल्क पंचकर्म शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में पित्त और रक्त दोष से संबंधित विकारों के उपचार के लिए शारदीय विरेचन और रक्तमोक्षण जैसी पंचकर्म चिकित्साएं निःशुल्क प्रदान की जा रही हैं। यह शिविर आयुर्वेद के सिद्धांतों के अनुसार शरीर के डिटॉक्स और शुद्धिकरण पर केंद्रित है। शारदीय विरेचन और रक्तमोक्षण चिकित्सा के माध्यम से पित्त दोष एवं रक्त दोष से संबंधित समस्याओं जैसे त्वचा रोग, रक्त विकार, तिल्ली रोग और गुदा रोग का उपचार किया जा रहा है। वहीं, रक्त शुद्धि और त्वचा रोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है।

मुख्य अतिथि, कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा ने शिविर का उद्घाटन करते हुए कहा यह शिविर न केवल हमारे संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, बल्कि यह भी साबित करता है कि आयुर्वेद आज भी हमारे समाज के लिए कितना प्रासंगिक है। पंचकर्म, आयुर्वेद की एक ऐसी अद्भुत चिकित्सा पद्धति है जो केवल रोगों का उपचार ही नहीं करती, बल्कि शरीर का पूर्ण शुद्धिकरण और कायाकल्प करती है।

विभागाध्यक्ष डॉ. गोपेश मंगल ने कहा कि आज हमारे विभाग द्वारा आयोजित इस निःशुल्क पंचकर्म शिविर में वर्षा ऋतु में संचित दोष को शरद ऋतु में शरीर से बाहर विरेचन एवं रक्तमोक्षण के द्वारा निकला जाता है रक्तमोक्षण जैसी चिकित्साओं के माध्यम से लोगों को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य प्रदान करने का प्रयास कर रहे हैं। ये उपचार न केवल रोग को ठीक करते हैं, बल्कि शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाते हैं। यह रोगी एवं स्वस्थ दोनों के लिए लाभप्रद है।

बेस्ट एक्टर बने शाहरुख-विक्रांत, रानी बेस्ट एक्ट्रेस, मोहनलाल को दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भारतीय सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों में से एक माना जाता है। भारत सरकार के सूचना प्रसारण मंत्रालय की ओर से आयोजित किए जाने वाले इस पुरस्कार समारोह में हर साल भारतीय फिल्म कलाकारों को उनके अद्वितीय कार्य के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और अवॉर्ड से सम्मानित किया जाता है। आज यानी 23 सितंबर 2025 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 71वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया, जिसके लिए शाहरुख खान, रानी मुखर्जी से लेकर मोहनलाल सहित कई बड़े सितारे अपना अवॉर्ड लेने दिल्ली पहुंचे।

1 अगस्त को नामों का ऐलान किया गया था

1 अगस्त 2025 को राष्ट्रीय फिल्म अवॉर्ड 2023 के नामों का ऐलान किया गया था, जिसमें शाहरुख खान, रानी मुखर्जी, विक्रांत मैसी जैसे सितारों के नाम शामिल हैं। भव्य कार्यक्रम को दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें अवॉर्ड के लिए नामित सितारों को सम्मानित किया जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भारतीय कलाकारों को ये पुरस्कार प्रदान किया।

मोहनलाल को मिला सबसे बड़ा सम्मान

71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में जहां शाहरुख खान, विक्रांत मैसी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया, वहीं रानी मुखर्जी सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के अवॉर्स से सम्मानित हुईं, लेकिन मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल को सबसे बड़े सम्मान से सम्मानित किया गया। मोहनलाल को 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में फिल्म उद्योग में उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया गया। सम्मान स्वरूप, हॉल में मौजूद सभी लोगों ने खड़े होकर अभिनेता का उत्साहवर्धन किया। शाहरुख खान भी मोहनलाल के लिए तालियां बजाते नजर आए।

रानी मुखर्जी को मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे के लिए मिला नेशनल फिल्म अवॉर्ड

71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार 2025 में बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी को उनकी फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे' में उनके दमदार अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बता दें, रानी मुखर्जी को हिंदी सिनेमा में 29 साल हो चुके हैं और अब तक के करियर में उनका ये पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार है।

वैभवी मर्चेंट सम्मानित

71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में बॉलीवुड की जानी-मानी कोरियोग्राफर वैभवी मर्चेंट को फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के गाने 'ढिंढोरा बाजे रे' के लिए बेस्ट कोरियोग्राफी का अवॉर्ड मिला।

'कटहल-अ जैकफ्रूट मिस्ट्री' को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का पुरस्कार

71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में निर्देशक यशवर्धन मिश्रा ने 'कथल - अ जैकफरूट मिस्ट्री' के लिए सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का पुरस्कार जीता, जिसमें सान्या मल्होत्रा लीड रोल में हैं।

वश को सर्वश्रेष्ठ गुजराती फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार

निर्देशक कृष्णदेव याग्निक ने फिल्म 'वश' के लिए सर्वश्रेष्ठ गुजराती फिल्म श्रेणी में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता, जिसका रीमेक 'शैतान' बनाकर अजय देवगन और आर माधवन ने हिंदी भाषी दर्शकों को एंटरटेन किया था।

प्रणय को राष्ट्रीय पुरस्कार

प्रणय देसाई को नॉन फीचर फिल्म श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वहीं गॉड वल्चर एंड ह्यूमन को बेस्ट डॉक्यूमेंट्री चुना गया, जिसके लिए राजेश चंदवानी को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

अजारी और उदयपुर रोड पर झोलाछाप डॉक्टर पकड़े गए, पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज

पिण्डवाड़ा ब्लॉक में अवैध क्लीनिकों पर स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्रवाई

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सिरोही/पिण्डवाड़ा। ग्रामीणों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले झोलाछाप डॉक्टरों पर शिकंजा कसने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने मंगलवार को पिण्डवाड़ा ब्लॉक में बड़ी कार्रवाई की। अजारी गाँव और उदयपुर रोड पर दबिश देकर तीन अवैध क्लीनिक संचालित करने वालों को पकड़ा गया। जिला कलेक्टर अल्पा चौधरी और सीएमएचओ डॉ. दिनेश खराड़ी के निर्देश पर गठित टीम ने यह कार्रवाई की। अजारी गाँव में मंतोष विश्वास और उदयपुर रोड पर कमलेश व बी.के. विश्वास नामक व्यक्तियों को बिना किसी मान्यता व चिकित्सकीय डिग्री के इलाज करते पकड़ा गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि ये लोग लंबे समय से भोले-भाले ग्रामीणों को गुमराह कर अवैध तरीके से उपचार कर रहे थे।

पुलिस थाने में दर्ज हुआ प्रकरण

कार्रवाई के बाद तीनों झोलाछापों के खिलाफ पिण्डवाड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे मामलों में दोषी पाए जाने पर कठोर दंड और कारावास तक का प्रावधान है। अब इनके खिलाफ न्यायालय में आपराधिक प्रकरण चलेगा।

औषधियाँ और उपकरण जब्त

जांच टीम ने क्लीनिकों से बड़ी मात्रा में दवाइयाँ, इंजेक्शन, सिरिंज, ड्रिप सेट और अन्य चिकित्सकीय उपकरण जब्त किए। यह सभी सामग्री बिना लाइसेंस और मान्यता के उपयोग में लाई जा रही थी। स्वास्थ्य अधिकारियों ने चेतावनी दी कि झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा दिए जाने वाले गलत उपचार और दवाइयाँ गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करती हैं और कई बार मरीज की जान तक ले लेती हैं।

ग्रामीणों ने की कार्रवाई की सराहना

अजारी और पिण्डवाड़ा क्षेत्र के ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग की सख्ती का स्वागत किया। ग्रामीणों ने कहा कि सही चिकित्सक की पहचान आमजन के लिए मुश्किल हो जाती है, ऐसे में झोलाछापों के कारण कई बार मरीजों को गंभीर नुकसान उठाना पड़ता है। उन्होंने इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रखने की मांग भी की।

सीएमएचओ की अपील

सीएमएचओ डॉ. दिनेश खराड़ी ने कहा कि ग्रामीण अंचलों में झोलाछाप डॉक्टर आमजन के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा हैं। विभाग लगातार इन पर नजर रखे हुए है और भविष्य में भी इसी तरह की कार्रवाइयाँ जारी रहेंगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि कहीं भी संदिग्ध व्यक्ति इलाज करता दिखे तो तत्काल स्वास्थ्य विभाग या नज़दीकी पुलिस थाने को सूचना दें।

कार्रवाई में शामिल रही टीम

कार्रवाई का नेतृत्व बीसीएमओ पिण्डवाड़ा डॉ. भूपेन्द्र प्रताप सिंह ने किया। टीम में सीएचसी पिण्डवाड़ा के चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनीष भार्गव, ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर रोहिताश कुमार, फार्मासिस्ट अशोक कुमार व दिलीप कुमार शामिल रहे। पुलिस पक्ष से कांस्टेबल गणपत और सुनील कुमार ने सहयोग किया।